Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
घटती घटना
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022
अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -57 मंगलवार ,27 दिसम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

मनोवृत्ति का परिवर्तन ही हमारी असली विजय है।

- प्रेमचंद-

वीर बाल दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुए पीएम मोदी

साहिबजादों की शौर्यगाथा को भुलाया गया:मोदी

मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित हुआ कार्यक्रम

नई दिल्ली,26 दिसंबर 2022। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर 26 दिसंबर, 2022 को दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित विशेष कार्यक्रम के शामिल हुए। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी उपस्थित रहे। पीएम मोदी ने ट्विटर पर कहा, 'वीर बाल दिवस पर हम साहिबजादों और माता गुजरी जी के साहस को याद करते हैं। हम गुरु गोबिंद सिंह जी के साहस को भी याद करते हैं।'

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि शहीदी सप्ताह और वीर बाल दिवस हमारी सिख परंपरा के लिए भावों से भरा जरूर है लेकिन इससे आकाश जैसी अनंत प्रेरणा जुड़ी हैं। वीर बाल दिवस हमें याद दिलाएगा कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय आयु मायने नहीं रखती। यह याद दिलाएगा कि दस गुरुओं का योगदान क्या है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं वीर साहिबजादों के चरणों में नमन करते हुए उन्हें कृतज्ञ श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इसे मैं अपनी सरकार का सौभाग्य मानता हूं कि उसे आज 26 दिसंबर के दिन को 'वीर बाल दिवस' के तौर पर घोषित करने का मौका मिला। मैं पिता दशमेश गुरु गोविंद सिंह जी और सभी गुरुओं के चरणों में भी भक्तिभाव से प्रणाम करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि साहिबजादों ने इतना बड़ा बलिदान और त्याग किया, अपना जीवन न्यौछावर कर दिया, लेकिन इतनी बड़ी 'शौर्यगाथा' को भुला दिया गया। लेकिन अब 'नया भारत' दशकों पहले हुई एक पुरानी भूल को सुधार रहा है दो निर्दोष बालकों को दीवार में जिंदा चुनवाने जैसी दरिंदगी क्यों की गई? वो इसलिए, क्योंकि औरंगजेब और उसके लोग गुरु गोविंद सिंह के बच्चों का धर्म तलवार के दम पर बदलना चाहते थे। लेकिन, भारत के वो बेटे, वो वीर बालक, मौत से भी नहीं घबराए। वो दीवार में जिंदा चुन गए, लेकिन उन्होंने उन आततायी मंसूबों को हमेशा के लिए दफन कर दिया।

पीएम ने कहा कि उस दौर की कल्पना करिए! औरंगजेब के आतंक के खिलाफ, भारत को बदलने के उसके मंसूबों के खिलाफ, गुरु गोविंद सिंह जी पहाड़ की तरह खड़े थे। लेकिन, जोरावर सिंह साहब और फतेह सिंह साहब जैसे कम उम्र के बालकों से औरंगजेब और उसकी सल्तनत की क्या दुश्मनी हो सकती थी? इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अगर हमें भारत को भविष्य में सफलता के शिखरों तक लेकर जाना है, तो हमें अतीत के संकुचित नजरियों से भी आज़ाद होना होगा।

मालूम हो कि गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह और माता गुजरी के असाधारण साहस और बलिदान को याद करते हुए भारत सरकार ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। भारत सरकार ने इस मौके पर साहिबजादों के अनुकरणीय साहस की कहानी के बारे में नागरिकों, खास तौर पर बच्चों को शिक्षित करने के लिए देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हुईं एम्स में भर्ती

नई दिल्ली ,26 दिसंबर 2022(ए)। अभी-अभी खबर आ रही है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारण को आज दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती किया गया है। किन स्वास्थ्यगत समस्याओं के चलते उन्हें अस्पताल लाया गया है इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। फिलहाल मिल रही जानकारी के अनुसार सीतारमण को अस्पताल के प्राइवेट वॉर्ड में रखा गया। 63 वर्षीय सीतारमण को दोपहर 12 बजे के करीब अस्पताल ले जाया गया।

संक्षिप्त खबरें

पुण्यतिथि पर शंकरदयाल शर्मा को नमन किया गया

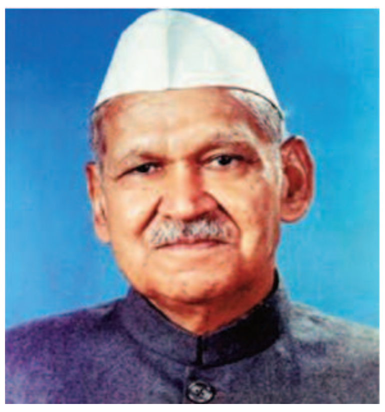

भोपाल ,26 दिसंबर 2022(ए)। पूर्व राष्ट्रपति डॉ शंकरदयाल शर्मा को आज उनकी पुण्यतिथि पर मध्यप्रदेश में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, मंत्रिमंडल के सदस्यों और अनेक राजनेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

चौहान ने ट्वीट के जरिए कहा है, मध्यप्रदेश के गौरव, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ शंकरदयाल शर्मा जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। आपके प्रखर विचार और आदर्श जीवन देशवासियों को राष्ट्र व समाज की उन्नति के लिए कार्य करने हेतु सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

राज्य मंत्रिमंडल के अनेक सदस्यों के अलावा भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने भी श्री शर्मा का स्मरण करते हुए उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की है।

हत्या से पहले श्रद्धा को टार्चर कर रहा था आफताब

नई दिल्ली ,26 दिसंबर 2022(ए)। श्रद्धा मर्डर में दिल्ली पुलिस को ऐसा ओडियो हाथ लगा है जिसे वह बड़ा सबूत मान रही है। पुलिस को आफताब का एक ऑडियो मिला है जिसमें आफताब श्रद्धा से लड़ाई झगड़ा कर रहा है। इस ऑडियो में अफताब और श्रद्धा के बीच बहस होती सुनाई दे रही है। इतना ही नहीं ऑडियो से साबित हो रहा है कि आफताब श्रद्धा को टॉर्चर कर रहा था।

लड़की इनरवियर में छिपाकर ले जा रही थी करोड़ों का सोना

तिरुवनंतपुरम ,26 दिसंबर 2022(ए)। केरल में कोझिकोड हवाईअड्डे के बाहर 19 साल की एक लड़की को तब हिरासत में ले लिया गया जब पता चला कि वह अपने इनरवियर में छिपाकर एक करोड़ रुपये का सोना ले जा रही है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, मलप्पुरम के पुलिस आधिकारी सुचित दास और उनकी टीम ने हवाईअड्डे पर सफलतापूर्वक सीमा शुल्क निकासी के बाद लड़की को हिरासत में ले लिया।

देश की बड़ी डेयरी कंपनी मदर डेयरी ने बढ़ाया दूध का दाम

2 रुपये प्रति लीटर का किया इजाफा

नई दिल्ली ,26 दिसंबर 2022(ए)। देश की बड़ी डेयरी कंपनी मदर डेयरी की ओर से दिल्ली एनसीआर में दूध के दामों में 2 रुपये प्रति लीटर का इजाफा कर दिया गया है। कंपनी ने कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे बढ़ती हुई लागत का हवाला दिया है। ये बढ़ोतरी मंगलवार से लागू हो जाएगी।

मदर डेयरी की ओर से इस साल पांचवी बार दूध की कीमतों में इजाफा किया गया है। कंपनी दिल्ली-एनसीआर में 30 लाख लीटर से अधिक दूध की आपूर्ति करती है।

MOTHER DAIRY

फुल क्रीम से लेकर टोंड दूध के दाम में हुआ इजाफा

मदर डेयरी ने फुल क्रीम दूध की कीमत दो रुपये बढ़ाकर 66 रुपये प्रति लीटर कर दी है, जबकि टोंड दूध की कीमत 51 रुपये प्रति लीटर से संशोधित कर 53 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। डबल टोंड दूध की कीमत 45 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 47 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। मदर डेयरी ने गाय के दूध और टोकन (बल्क वेंडेड) दूध के सभी प्रकारों की कीमतें नहीं बढ़ाने का फैसला किया है।

कब-कब हुई बढ़ोतरी

2022 में कंपनी ने इससे पहले 21 नवंबर को दूध के दामों में बढ़ोतरी की थी, उस समय कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में फुल क्रीम दूध की कीमतों एक रुपये प्रति लीटर और टोकन दूध में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। वहीं, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के कुछ अन्य बाजारों में फुल क्रीम दूध और गाय के दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। मार्च और अगस्त में भी सभी वेरिएंट के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए थे।

सीबीआई ने लालू के खिलाफ फिर से खोला केस

नई दिल्ली ,26 दिसंबर 2022(ए)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के खिलाफ सीबीआई ने एक बार फिर से रेलवे प्रोजेक्ट्स के आवंटन में भ्रष्टाचार का मामला खोल दिया है। केंद्रीय एजेंसी के इस फैसले से बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

यूपीए के पहले कार्यकाल के दौरान लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे और उसी दौरान रेलवे के प्रोजेक्ट्स के अलॉटमेंट में भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। इस मामले की जांच सीबीआई ने 2018 में शुरू की थी। यह जांच मई 2021 में बंद कर दी गई थी। तब सीबीआई सूत्रों का कहना था कि आरोपों के आधार पर फिलहाल कोई मामला नहीं बनता है। लालू यादव के अलावा बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, बेटियों चंदा यादव और रागिनी यादव को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है।

सीबीआई यह मामला तब खोल रही है जब नीतीश कुमार ने पाला बदल लिया है। नीतीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़कर एक बार फिर आरजेडी के साथ गठबंधन कर लिया है। नीतीश कुमार ने यह कहते हुए भाजपा से गठबंधन तोड़ लिया है कि वह उनकी पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रही है। सीबीआई के इस कदम से बिहार की राजनीति में हलचल फिर से तेज हो रही है

देवकीनंदन महाराज को चौक पर जिंदा जलाने की धमकी

मथुरा ,26 दिसंबर 2022(ए)। वृंदावन के कथावाचक देवकीनंदन महाराज को धर्म विशेष के बारे में बोलने पर धमकी मिली है। उनके निजी नंबर पर सऊदी अरब से फोन आया। फोन करने वाले ने पहले उन्हें अपशब्द कहे। विरोध करने पर बम से उड़ाने और चौक पर जिंदा जलाने की धमकी दी। देवकीनंदन महाराज वर्तमान में नवी मुंबई के खारघर में श्रीमद्भागवत कथा का वाचन कर रहे हैं।

धर्म विशेष के बारे में बोलना पड़ा भारी

धमकी मिलने के मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने एनसीआर दर्ज की है। इसके साथ ही कथा स्थल की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। डेढ़ मिनट की कॉल का महाराज के शिष्य ने वीडियो भी बना लिया है। इसकी जानकारी ट्विटर के माध्यम से स्थानीय पुलिस और पीएमओ, गृह मंत्रालय, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को शेयर की गई है।

कथावाचक के वृंदावन स्थित प्रियाकांतजु मंदिर के सचिव विजय शर्मा ने बताया कि महाराष्ट्र पुलिस ने धमकी का संज्ञान लेते हुए कथा पंडाल की सुरक्षा बढ़ा दी है। संस्था की ओर से खारघर थाने में एनसीआर दर्ज कराई गई है। वहां पर कथा 31 दिसंबर तक होनी है। ज्ञात हो कि इससे पहले अप्रैल में भी मुंबई के वासिम में हनुमान जयंती पर शोभायात्रा निकालने पर दुबई से हत्या करने की धमकी मिली थी। महाराज ने पिछले दिनों आफताब-श्रद्धा मामले में लव-जेहाद को लेकर भी प्रमुखता से बोले थे। हिंदुत्व पर बोलने पर पहले भी ऐसे कई कॉल-मैसेज संस्था के नंबरों पर आ चुके हैं।

हिंदुत्व पर खुलकर बोलने वाले देवकीनंदन महाराज को कई बार धमकियां मिल चुकी हैं। पिछले दिनों वृंदावन के प्रियाकांतजु मंदिर पर मुस्लिम संगठन के नाम से पत्र मिला था। इसमें हिंदुत्व के प्रचार पर सामूहिक नरसंहार की चेतावनी लिखकर भेजी गई थी। एक व्यक्ति ने वीडियो बनाकर टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी दी गई थी। वृंदावन कोतवाली में ये मामले दर्ज हैं। इसके अतिरिक्त कथा के लिए दिल्ली जाते समय उनकी गाड़ी को रोककर हमले की कोशिश भी हो चुकी है।

आईसीआईसीआई बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई

विडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली ,26 दिसंबर 2022(ए)। बैंक लोन फ्रॉड केस में केंद्रीय जांच एजेंसी ने बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने आईसीआईसीआई बैंक धोखाधड़ी मामले में वीडियोकॉन के अध्यक्ष वेणुगोपाल धूत को गिरफ्तार किया। यह जानकारी सीबीआई के सूत्र के हवाले से सामने आई है। इससे पहले सीबीआई ने इस मामले में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि जब चंदा कोचर आईसीआईसीआई बैंक की कमान संभाल रही थीं, तब उन्होंने वीडियो कॉन ग्रुप को लोन दिया था।

बदले में चंदा के पति दीपक कोचर की कंपनी नू रिन्यूएबल को वीडियोकॉन से निवेश मिला था। वीडियोकॉन ग्रुप को 3,250 करोड़ का बैंक लोन देने के मामले में सीबीआई ने पिछले हफ्ते आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी और सीईओ चंदा कोचर और उनके दीपक कोचर को गिरफ्तार किया था। इसके बाद दोनों को मुंबई की विशेष कोर्ट ने तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया।

संतोष कुमार यादव को एनएचएआई प्रमुख, सुभाषीश पांडा को डीडीए का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

नई दिल्ली ,26 दिसंबर2022(ए)। भारत सरकार ने वरिष्ठ नौकरशाह संतोष कुमार यादव (आईएएस 1995 बैच) को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का प्रमुख नियुक्त किया है। यादव वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं

उत्तर प्रदेश कैडर के 1995 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी यादव वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1997 बैच के आईएएस अधिकारी सुभाषिश पांडा को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। गंजी कमला वी राव को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण , स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के रूप में नामित किया गया है। केरल कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी राव वर्तमान में भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। हितेश कुमार एस मकवाना को गृह मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव के रूप में नामित किया गया है। आदेश में कहा गया है कि हिमाचल प्रदेश कैडर के 1997 बैच के आईएएस अधिकारी रजनीश सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और विकास आयुक्त होंगे।

अदालत ने 1,000 करोड़ के मामले में मुख्य अभियुक्तों की जब्त की गई संपत्तियों को किया रिहा

नई दिल्ली ,26 दिसंबर 2022(ए)। 1000 करोड़ रुपये के सिंचाई विभाग घोटाले के मुख्य आरोपी ठेकेदार गुरिंदर सिंह उर्फ भप्पा ने सत्र न्यायाधीश हरपाल द्वारा पारित एक अनुकूल आदेश के साथ अपनी 150 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित बाजार मूल्य वाली 9 संपत्तियों को रिहा करने में सफलता प्राप्त की है. सिंह, इस सप्ताह की शुरुआत में।

न्यायाधीश ने 2019 में उनकी कुर्की के समय संपत्तियों में उनके हिस्से का मूल्य 8.60 करोड़ रुपये जमा करने के आरोपी ठेकेदार के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। सतर्कता ब्यूरो (वीबी) ने इन संपत्तियों का कुल मूल्य 75.23 करोड़ रुपये आंका है। कुर्की केवल गुरिंदर सिंह के हिस्से की सीमा तक थी।

ठेकेदार ने दलील दी कि वह अपने सह-मालिकों के साथ संपत्तियों से निपटने के लिए वास्तविक मुद्दों का सामना कर रहा था क्योंकि उसके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले से जुड़े होने के कारण उसे उसके साझेदारों द्वारा बेचा या किराए पर नहीं दिया जा सकता था। न्यायाधीश ने याचिका खारिज कर दी

न्यायाधीश ने सरकारी वकील की इस दलील को खारिज कर दिया कि ये संपत्तियां गुरिंदर सिंह ने अपने और अपने करीबी रिश्तेदारों के नाम से अवैध धन से खरीदी थीं।

न्यायाधीश ने वीबी की उस दलील को भी खारिज कर दिया कि संपत्तियों का मूल्य कुछ समय में कई गुना बढ़ गया और ठेकेदार द्वारा दी गई 8.60 करोड़ रुपये की राशि अपर्याप्त और अल्प थी। इसके अलावा, अभियुक्त को उसके आपराधिक मुकदमे के लंबित रहने के दौरान संपत्तियों का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती थी।

न्यायाधीश ने आरोपी गुरिंदर सिंह के वकील के इस तर्क को सकारात्मक रूप से तौला कि उसे मोहाली में एक औद्योगिक भूखंड खरीदने के लिए पंजाब लघु उद्योग और निर्यात निगम को 16.73 लाख रुपये का बकाया भुगतान करना था। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के एक स्वतंत्र वरिष्ठ वकील से जब सत्र न्यायालय के आदेश पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा कि विजिलेंस को संपत्तियों के वर्तमान बाजार मूल्य के बारे में जानने और उन्हें न्यायाधीश के सामने रखने के लिए वैज्ञानिक रूप से मूल्यांकन करने की आवश्यकता थी। इससे कम से कम बाजार दरों के अनुरूप सुरक्षा जमा में कुछ वृद्धि हो सकती थी।

अभियोजन पक्ष को अभियुक्त के उसके सभी सह-मालिकों और उनकी आय के स्रोतों के साथ संबंधों में गहराई से जाना चाहिए था ताकि यह दिखाया जा सके कि चूंकि उनके पास संपत्ति की खरीद में भागीदार बनने की वित्तीय ताकत नहीं थी, इसलिए सभी पैसे का निवेश किया गया गुरिंदर सिंह के थे।

समझा जा सकता है कि वीबी के पास अगला रास्ता सत्र न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय जाने का है।

यह मामला पहले सत्र न्यायाधीश परमिंदर सिंह ग्रेवाल की अदालत में लंबित था, लेकिन जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश पर इसे सत्र न्यायाधीश हरपाल सिंह की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया था।

संपादकीय

समाधान तो सोचना होगा

भले अपनी समझ से सरकार ने शराबबंदी लोक हित में लागू की हो, लेकिन इस बंदी की आड़ में गैर-कानूनी धंधा फूलने-फलने लगे, तो उसके लिए सरकार अपनी जवाबदेही से नहीं बच सकती।

बिहार में जहरीली शराब हादसे की ताजा घटना में मौतों की बढ़ती संख्या के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह विवादास्पद बयान दिया कि 'पियोगे तो मरोगे।' उनकी दलील है कि हत्या अनंतकाल से अपराध है, फिर हत्याएं होती हैं। उसी तरह शराब पीना अपराध बनाए जाने के बाद आपराधिक तत्व इसे बेचने का धंधा करते हैं, जिसमें लोग सहभागी बन कर अपनी जान को खतरे में डालते हैं। इस सिलसिले में नीतीश कुमार से यह प्रश्न पूछा जा सकता है कि क्या हत्याकांड होने पर प्रशासन और सरकार की जवाबदेही तय नहीं की जाती है? इसी तरह भले अपनी समझ से सरकार ने शराबबंदी लोक हित में की हो, लेकिन इस बंदी की आड़ में गैर-कानूनी धंधा फूलने-फलने लगे, तो उसके लिए सरकार अपनी जवाबदेही से नहीं बच सकती। जिस तरह उसने समाज सुधार के इस कदम के लिए उत्साह दिखाय, उससे वैसी ही अपेक्षा उस कदम की वजह से पैदा हुई समस्या का समाधान ढूंढने की है।

गौरतलब है कि पहले की घटनाओं की तरह ही ताजा घटना के शिकार ज्यादातर गरीब और पिछड़े तबकों के लोग बने हैं। जबकि ये आम शिकायत है कि संपन्न और रसूखदार लोगों के लिए शराब सप्लाई की व्यवस्था बदस्तूर जारी है। आरोप तो यह है कि इस व्यवस्था को पुलिस और प्रशासन की सहभागिता से चलाया जा रहा है। ऐसे में सरकार उसके कदम की वजह से बनी स्थिति के शिकार लोगों को ही दोषी ठहरा कर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। उसके पास इस शिकायत का भी कोई उचित जवाब नहीं है कि तमाम इलाकों में आसानी से शराब मिल जाती है। वहां टैंकरों के जरिए बाहर से उसे लाया जाता है और फिर लोकल वेंडर इसकी सप्लाई करते हैं। ताजा घटना सारण जिले में हुई है। इस जिले के इन्हीं इलाकों में चार माह पहले 18 लोगों की जहरीली शराब से मौत हो गई थी। तब भी ये बात सामने आई थी कि देसी शराब किस सहजता के साथ उपलब्ध है। इस बार भी मामला सामने आने के बाद से बीते 48 घंटे के दौरान 600 लीटर देसी शराब जब्त की जा चुकी थी। सवाल है कि ये जब्ती पहले क्यों नहीं हुई?

भारत को करना होगा मिलेट्स ईयर 2023 का नेतृत्व

भारत मिलेट्स फसलों को उगाने वाला पारंपरिक देश है। वह कृषि के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है। असल में भारत को 2023 के मिलेट्स ईयर का नेतृत्व करने की जरूरत है और उसे ऐसा करना ही होगा। भारत की पहल से दुनिया को राह मिलती रही है और आगे भी मिलेगी।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल के बाद संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट क्रॉप वर्ष घोषित किया है। इसके बाद पूरी दुनिया में इस वर्ष को मिलेट्स उत्सव के रूप में मनाने की पहल की जा रही है। इस पहल की अहमियत को समझने से पहले हमें मिलेट्स को जानने की जरूरत है। मोटे अनाज वाली फसलों जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, सावां, कंगनी, चना, कोदो, कुटकी और कुट्टू को मिलेट क्रॉप कहा जाता है। मिलेट्स को सुपर फूड कहा जाता है, क्योंकि इनमें पोषक तत्व अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में होते हैं। मोटे अनाजों को उनकी पोषण संरचना और स्वास्थ्य लाभों के कारण न्यूट्री अनाज माना जाता है। मोटे अनाजों में जलवायु परिवर्तन, भोजन, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता है।

मोटे अनाजों की खेती मनुष्यों के लिए ज्ञात सबसे पुरानी फसलों में से एक है और वर्तमान में दुनियाभर के 131 देशों में इनकी खेती की जाती है। भारत विश्व का प्रमुख मोटे अनाजों का उत्पादक देश है। देश में मोटे अनाजों की उपज का लगभग 41त्न राजस्थान से आता है। इसमें पर्ल मिलेट्स का देश में सबसे अधिक उत्पादन होता है। असल में मिलेट्स भारत के पारंपरिक प्रधान अनाज हैं। मोटे अनाजों के लाभों को विविधता, पारिस्थितिकी, पोषण, स्वास्थ्य, फिटनेस और खेलों में स्वास्थ्य प्रदर्शन के लिहाज से बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटे अनाज आहार फाइबर में उच्च हैं। मोटे अनाज आयरन, फोलेट, कैल्शियम, जिंक, मैग्नीशियम, फास्फोरस, तांबा, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट सहित पोषक तत्वों के पावरहाउस हैं।

हाल ही में केंद्र सरकार और एपीईडीए की ओर से नई दिल्ली में मिलेट्स-स्मार्ट न्यूट्रिटिव फूड कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इसमें किसान उत्पादक संगठनों, स्टार्टअप्स, निर्यातकों, बाजरा आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादक जैसे हितधारक शामिल हुए। कॉन्क्लेव के दौरान भारतीय बाजरा तथा बाजरा आधारित उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी तथा बिजनेस बैठकों का भी आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त लक्षित देशों के भारत में स्थित विदेशी मिशनों के राजदूतों और संभावित आयातकों को भी रेडी टू ईट बाजरा उत्पादों सहित विभिन्न बाजरा केंद्रित उत्पादों को प्रदर्शित करने और बिजनेस बैठकों को सुगम बनाने के लिए कॉन्क्लेव में आमंत्रित किया गया। भारत के बाजरा निर्यात संवर्धन कार्यक्रम को दुनिया के 72 देशों ने समर्थन दिया है। संयुक्त राष्ट्र ने 5 मार्च, 2021 को घोषणा की थी कि वर्ष 2023 को मिलेट्स ईयर के रूप में मनाया जाएगा। मोदी सरकार बाजरा और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों को विश्व भर में लोकप्रिय बनाने तथा इसे एक जन आंदोलन बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयासरत है।

हाल ही में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी मिलेट्स के महत्व को रेखांकित किया था। जयशंकर ने बताया था कि मिलेट्स खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। एशिया और अफ्रीका मिलेट्स के प्रमुख उत्पादक और उपयोगकर्ता देश हैं। भारत के अलावा सूडान और नाइजीरिया मिलेट्स के प्रमुख उत्पादन देश हैं। कुछ दिन पहले मोदी सरकार ने सांसदों के लिए एक लंच का भी आयोजन किया था, जिसमें मिलेट्स से बने भोजन ही मीनू का हिस्सा थे। संसद में दिए गए इस लंच में सांसदों को रागी, ज्वार व बाजरे से बनी रोटियां परोसी गईं। इसके अलावा ज्वार और बाजरे से बनी खिचड़ी भी सांसदों को परोसी गई। इस स्पेशल लंच के लिए शेफ विशेष तौर से कर्नाटक से बुलाए गए थे। उन्होंने रागी से इडली और डोसा तैयार किए। यह पहल प्रधानमंत्री मोदी की मिलेट्स को बढ़ावा देने की एक कोशिश रही।

इधर, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह ने कहा है कि मिलेट्स ईयर की घोषणा होने के बाद वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलेट्स का उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे मिलेट्स क्रॉप के उपयोगी प्रसंस्करण और फसल चक्र के बेहतर इस्तेमाल के साथ इसे खाद्य सामग्री का अहम अंग बनाने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि कृषि मंत्रालय और किसानों के कल्याणकारी संगठन मिशन मोड में मिलेट का उत्पादन बढ़ाने और उपभोग बनाने के लिए केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अन्य संबंधित संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भारत सरकार ने अप्रैल, 2018 में मिलेट को एक पोषणकारी अनाज घोषित किया था। इसके साथ ही मिलेट्स क्रॉप को पोषण मिशन अभियान में भी शामिल गया है।

असल में मोटे अनाजों की मांग को बढ़ाने के लिए लोगों को उनके पोषण महत्व, पोषण मूल्य में सुधार के लिए उनके प्रसंस्करण, घर पर तैयार किए जा सकने वाले उत्पादों और सुविधा तथा उपयोग के लिए तैयार खाद्य उत्पादों के बारे में जागरूक करने की महती आवश्यकता है। एक बड़ा तथ्य यह भी है कि सामुदायिक स्तर पर मोटे अनाजों की खपत को बढ़ावा देने से कुपोषण को कम करने में काफी हद तक मदद मिलेगी। इसी तरह, खाद्य और पोषण सुरक्षा को संबोधित करने वाले सरकारी कार्यक्रमों में मोटे अनाजों को बढ़ावा देने से एक तरफ कुपोषण दूर होगा, वहीं दूसरी तरफ मोटे अनाजों खासकर बाजरा की मांग पैदा होगी। इसका लाभ किसानों को भी होगा और वे मिलेट्स फसलों को उगाने की तरफ आकर्षित होंगे। भारत मिलेट्स फसलों को उगाने वाला पारंपरिक देश है। वह कृषि के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता रखता है। असल में भारत को 2023 के मिलेट्स ईयर का नेतृत्व करने की जरूरत है और उसे ऐसा करना ही होगा। भारत की पहल से दुनिया को राह मिलती रही है और आगे भी मिलेगी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अमित बैजनाथ गर्ग
जयपुर, राजस्थान

स्वतंत्रता को स्वच्छंदता मत समझो

समय के चलते स्वतंत्रता को अपना नैतिक हक समझने वाली आजकल की पीढ़ी स्वच्छंदता का अंचला ओढ़े मनमानी कर रही है। या यूँ कहे कि, माँ-बाप के बनाए हुए दायरे को तोड़ कर आज़ाद जिंदगी जीने की होड़ में बर्बादी के पथ पर चल पड़ी है। खासकर लड़कियाँ अपने आप को बहुत एडवांस और होशियार समझते माँ-बाप के संस्कारों को निलाम करने पर तुली है। लड़कियों को जवानी के एक पड़ाव पर ठहरकर सोचने की जरूरत है कि वह क्या चाहती है। अपना लक्ष्य तय करते करियर बनाने की उम्र में प्रेम, प्यार के चक्कर में समय बर्बाद करते कहीं की नहीं रहती। एक उम्र के बाद जायज़ है शारीरिक विकास के साथ विपरीत सेक्स के प्रति आकर्षण होना; पर उस उन्माद को प्यार का नाम देकर मनचले लड़कों के हाथों की कठपुतली बनकर खुद के साथ-साथ माँ-बाप की इज़्ज़त की धज्जियां उड़ाने का हक आपको हरगिज़ नहीं। दर असल पारिवारिक संस्था की व्यवस्था ही डावाँडोल होने लगी है। पहले के ज़माने में घर में पिता का एक रुतबा हुआ करता था, जो परिवार के हर सदस्यों को अनुसाशन में रखता था। दिनभर कितने भी उछ्ल कूद कर लेते थे शाम को पिता जी के ऑफ़िस से आने का वक्त होते ही बच्चें सावधान होकर एकदम शांत होकर अपने काम में व्यस्त हो जाते थे। डर कहो, या सम्मान कहो पर पिता का वो रोबिला अंदाज़ बच्चों को अनुसाशन में जरूर रखता था। आजकल तो माँ-बाप का कुछ भी कहना बच्चों को बंदिशें लादना और शोषण लगने लगता है। माँ-बाप भी अपने आप को खुले विचारों वाले आधुनिक समझते बेटियों को कुछ ज़्यादा ही छूट देने लगे है, जिसका कुछ ना समझ लड़कियाँ गलत

फ़ायदा उठाते, मनमज़ी करते ऐसे रास्ते पर चल पड़ती है जहाँ से उनकी लाशें ही वापस आती है। ऐसे किस्सों में कहीं पैसों की भूख, तो कहीं शारीरिक भूख ही मुख्य कारण होती है। वेब सीरिज़ों में लड़कियाँ जिस तरह बिंदास गालियाँ बक रही है, कपड़े उतारने लगी है क्या उसके परिवार वाले वो सब नहीं देखते होंगे? या पैसों के लिए सब नज़र अंदाज़ करते होंगे? बड़ी-बड़ी शादीशुदा हीरोइनें भी पैसों की ख़ातिर अंग प्रदर्शन करने से नहीं शर्माती। वही बिंदास अंदाज़ जब आम लड़की अपनाती है तब उसको लूटने वालों की दुनिया में कोई कमी नहीं है।

जिंदगी में कितना कुछ करने के लिए होता है, अपने भविष्य को सुरक्षित करने हेतु पढ़ लिखकर कुछ बनकर दिखाओ। अगर आप में कोई हुनर है तो उसे विकसित करो और आगे बढ़कर अपने माँ-बाप का नाम रोशन करो। लड़कियों संभल जाओ... खाने, खेलने और करियर बनाने की उम्र में शारीरिक आकर्षण को प्यार समझकर ऐसे लड़कों के बहकावे में आकर जिंदगी तबाह मत करो; जिनको प्यार, इश्क, मोहब्बत की परिभाषा ही पता नहीं। प्यार कोई खेल नहीं, प्यार एक ऐसा रूहानी एहसास है जो अपने साथी की खुशी में अपनी खुशी तलाशते फ़ना हो जाता है। दो अरमाँ भरे दिलों को एकसूत्रता में बाँधता है प्यार। प्यार का वो धागा इतना अटूट होता है कि बड़े से बड़ा बवंडर प्रेमियों के इरादों को हिला नहीं पाता। पहले के ज़माने में दो प्रेमियों का बाजु में बैठकर गुफ़्तगु करते इश्क लड़ाना और उसपर भी ऊँगली से ऊँगलियों का छू जाना रोमांच पैदा करता था और हाथ पकड़ना रोमांस की चरम कहलाता था। आज रोमांस ने उन्माद और सेक्स का रुप ले लिया है..

किसी को चुम्बन करना और दिल देना जैसे चना कुरमुरा बाँटने जैसी क्रिया बन गई है। आजकल तो सोशल मीडिया पर दिल और चुम्बन वाली इमोजी हर कोई हर किसीको चिपका देता है, प्यार के एहसास को खास से फ़ालतू और आम बनाकर रख दिया है। आई लव यू का मतलब मैं तुम्हारे साथ पूरी जिंदगी बिताना चाहता हूँ ये होता है पर आजकल एक ही व्यक्ति 50 लड़कियों को आई लव यू के नाम पर घूमा रहा होता है। आज बारह साल के बच्चों को हर अंगों का और प्रेमियों के बीच एकांत में होने वाली हर क्रियाओं का ज्ञान होता है। कहने और सुनने में ये बात भले कठोर लगे पर अब लड़का और लड़की एक दूसरे में प्यार, इश्क, मोहब्बत नहीं ढूँढते बल्कि शारीरिक उन्माद का शमन ढूँढते है। ये तीन शब्द ढ्ढ आई लव यू वासनापूर्ति का ज़रिया बन गया है। दो तथाकथित प्रेमियों के बीच भरोसे का नहीं, ब्रेक अप का सेतु होता है जो छोटी सी बात पर कभी भी ढ़हने की कगार पर खड़ा होता है।

सच्चा प्यार साथ खड़ा रहता है अपने पार्टनर को कभी हारने नहीं देता, न मौत के मुँह में धकेल देता है। यूँ प्यार में धोखा मिलने पर किसके लिए आप खुद को और अपने परिवार वालों को इतनी घिनौनी सज़ा दे रही हो? जिसे आपकी भावनाओं की कद्र नहीं, न आपकी ज़िंदगी से कोई सरोकार होता है। ये प्यार नहीं सोची समझी साज़िश होती है, लड़कियों को बर्बाद करने का षड्यंत्र होता है। हर कुछ दिन बाद ऐसी वारदातें सामने आ रही है उससे कुछ तो सबक लो। अब भी न संभलोगी और न समझोगी तो यूँहीं जान गँवाती रहोगी। अपने साथ-साथ परिवार वालों को भी बर्बाद और बेइज़्ज़त करवाती रहोगी। चार छह महीने के प्यार के चक्कर में कितना कुछ लूटाती रहती है लड़कियाँ! जान तक हार जाती है। अब अपने एहसासों पर काबू रखो और खुद को लूटाने से बचो, उसी में आपकी परिवार वालों की और समाज की भलाई है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर, कर्नाटक

तन्हाइयों के दस्त में आबाद कौन था

जरा सोच तेरे बाद -अब कौन है- -!?
आ देख मुझ पे वक्त ने क्या क्या सितम किए- !
सबने भुला दिया है-- किसे याद कौन है!!---?
लम्हा लम्हा गुजरती जिन्दगी धीरे धीरे मन्जिल के तरफ झंझावात करती आस्था को साथ लिए बिश्वास की डोर पकड़े तमाम सवालों से जकड़े निरन्तर आगे बढ़ती जा रही है!जीवन के उपवन को संजोते कुछ पाते बहुत कुछ खोते पल पल कल बल छल के शानिध्य में कभी खुशी तो कभी मायूसी का दर्द लिए फर्ज के साथ सब कुछ आत्मसात करते मरते दम तक आदमी अपनों के भविष्य के लिए दिन रात भाग दौड़ में लगा रहता है उसे पता ही नहीं चलता है की खुशियों का जमाना कब साथ छोड़ दिया! जिसके लिए सब कुछ किया वो कब मुंह मोड़ लिया !गुरुबत का फैसला मानकर कर हौसला रखना अपनी मजबूरी भी होती है!जीने के लिए चाहत जरुरी भी होती है?जरा गौर करें ख्वाबों को दिल मे लिए ज़िन्दगी हर वक्त खुशहाली के पीछे पीछे भागती रहती है!प्रारब्ध के खेल में कभी धूप कभी छांव में लुका छिपी का तमाशा कभी आशा तो कभी निराशा के आवरण में चलता रहता है!और इसी के साथ अनमोल लम्हें धीरे धीरे सरकते रहते हैं!जब सब कुछ पाने की तमन्ना में जीवन की दोपहरी गुजरकर शाम की दस्तक देती है तब आखरी मंजिल का एहसास बधवास कर देता है!मगर तब तक तो बहुत देर हो चुकी होती है!सब कुछ पराया लगता है!दिन तो लोगों के बीच किसी तरह कट जाता है मगर रात की तन्हाई अश्कों की तरुणाई में सिसकन लिए गुजरे पलों की याद को आत्मसात कर भोर तक दिल को झकझोर कभी रूलाती तो कभी भाव विभोर कर अपनों के बीच गुजरे कर्ण प्रिय शोर को ताजा कर जाती है!जीवन के उपवन की महकती सुगन्ध जब गुजरे पलों के सतह से टकरा करअपनी महक बिखेरती है उस समय अनायास ही दिल उदास हो उठता है जिनके शानिध्य में सपने देखा आज वही अपने तन्हा छोड़कर स्वार्थ की दहकती ज्वाला में तिल तिल कर मरने को विवश कर चले गए!कुछ दिन में साल बदल जायेंगी! नव वर्ष दस्तक देने लगा है! बसन्त के आगमन की भीनी सुगन्ध अभी से मदमस्त पवन की संगति पाकर फैलने लगी है!उम्र के पड़ाव का एक अहम मुकाम गुजर गया!नव वर्ष में उत्कर्ष के साथ गुजरते वर्ष के संघर्ष की स्वीकारोक्ति को साथ लिए ज़िन्दगी के किताब में एक अध्याय जुड़ जायेगा----- !मुस्कराते भगवान भास्कर प्रकृति के परम्परा को प्रवाहमान करने का उदाहरण प्रस्तुत करते सदियों से चली आ रही ब्यवस्था को आस्था का सम्वर्धन देते नियमित परागमन के सिद्धांत काअनुमोदन करते उदय के बाद अस्त होना निश्चित है!जीवन का यही प्रायश्चित है!यही इस नश्वर संसार का अकाट्य सत्य है!जो आया है उसको माया लोक से विलोपित होकर परमात्मा में समाहित हो जाना ही नियति है!सत्कर्म को चक्रबृधि बनाकर जिसने सुख सम्बृधि त्याग दिया उसी का आखरी सफर भी सुहाना रहा रहा। गुजरते वक्त को बाय बाय आने वाले वक्त को सलाम!- -!! सबका मालिक एक साईराम।

-जगदीश सिंह-

तेरा असर होते जा रहा हैं

निक राजपूत
नई दिल्ली

ज़माना मेरे चेहरें पे तेरा नाम पढ़े जा रहा हैं।
तुम्हें ईश्क और हमें असर होता जा रहा हैं।
तेरी शरारतें तेरा नाम ही रहता हैं हर वक़्त
लबों पर बाकी चहरों भी दिमाग़ जा रहा हैं।
ये मुझे क्या हो रहा हैं एक तरफ अपनी हदों
से ये मासूम सा दिल भी निकलते जा रहा हैं।
तेरी आंखों में जब से मैं नज़र कैद हुआ तब
से मेरा हर कदम तेरी ओर आते जा रहा हैं।
बे-असर हो रहें अब ये जज़्बात भी मेरे जैसे
तू सुरज की तरह मुझ में ढले जा रहा हैं।
तुझे पाने की चाहत में आज तो दुवाओं में
खुद एक ख़ुदा को भी आजमाएँ जा रहा हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

2024 का चुनाव : भाजपा या संयुक्त मोर्चा

जनता दल-यू के अध्यक्ष ललन सिंह ने हुंकार भरी है कि 2024 में भारत को भाजपा-मुक्त किया जा सकता है । प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को चुनावों में पटखनी दी जा की है । बिहार में लोकसभा की सभी 40 सीटें जदयू गठबन्धन जीतेगा। यह भी दावा किया गया है कि यदि नीतीश कुमार को दिल्ली भेज दें, तो 6 महीने में ही सरकार गिर जायेगी । ललन सिंह कौन हैं, फिलहाल बिहार के बाहर देश उन्हें नहीं जानता कि वह कैसे अफलातून हैं । वह जद यू सरीखे क्षेत्रीय दल के मनोनीत अध्यक्ष :-यू हैं, जिन पर नीतीश कुमार की कृपा है। उन्होंने जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राष्ट्रीय पार्टी बनने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल लालू-तेजस्वी यादव के राजद के सहारे नीतीश कुमार और जद यू बिहार में सत्तारूढ़ हैं। ये कब पलटू हो जाएं, कुछ कहा नहीं जा सकता। अलबत्ता भाजपा ने अब गठबंधन करने से तौबा कर ली है। बहरहाल ललन सिंह का बयान महज बड़बोलापन और अपरिपक्व सियासत का उदाहरण तो हो सकता है। इसके अलावा यह बेमानी है। बेशक प्रधानमंत्री मोदी अपराजेय नहीं है, यह विश्लेषण हम कर चुके हैं, लेकिन 300 से ज्यादा लोकसभा सांसदों, करीब 100 राज्यसभा सदस्यों, देश के 17 राज्यों में सरकारें और विधायकों तथा करीब 18 करोड़ के काडर वाली भाजपा से मुक्त भारत की कल्पना की जा सकती है? कभी भाजपा और खासकर प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया था। बीते एक अरसे से भाजपा ने भी यह नारा छोड़ दिया है। अब तो हिमाचल में कांग्रेस सरकार बनने के बाद तीन राज्यों में पार्टी सत्तारूढ़ है। 2019 के आम चुनाव में करीब 12 करोड़ मतदाताओं ने कांग्रेस के पक्ष में वोट दिया था। गुजरात और दिल्ली नगर निगम के चुनावों कांग्रेस हाशिए पर आ गई है। उसके अलावा आम आदमी पार्टी (आप) देश की सबसे छोटी और शैशवकालीन पार्टियों में एक है। मात्र 10 साल की राजनीति के बाद ही वह राष्ट्रीय पार्टी बन गई है। क्या आप मुक्त भारत की आवाज़ बुलंद की जा सकती है ? दरअसल हमारा मानना है कि साझा विपक्ष लोकसभा की सभी 543 सीटों पर, भाजपा के रू-ब-रू, साझा उम्मीदवार उतारे और सामूहिक तौर पर पूरा चुनाव लड़े, तो मोदी और भाजपा को बेचैन किया जा सकता है । जीत-हार के दावे तब भी नहीं किए जा सकते । जद-यू की राजनीतिक हैसियत तो बौनी-सी है । प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और प्रचार के बावजूद विधानसभा और स्थानीय स्तर के चुनाव विपक्ष जीत सकता है, लेकिन देश के आम चुनाव की बात शुरू होगी, तो प्रधानमंत्री मोदी आज भी सबसे लोकप्रिय, स्वीकार्य और राष्ट्रीय नेता हैं। यह उनके धुर विरोधी और वामपंथी चिन्तक तक मानते हैं । आम चुनाव के सन्दर्भ, मुद्दे और सरोकार भी राष्ट्रीय होते हैं । राष्ट्रीय सन्दर्भ में जद-यू फिलहाल भ्रूण की अवस्था में है । उसके शीर्ष नेता और गठबंधन की सातों ताकतें बिहार के विधानसभा उपचुनाव तो भाजपा के मुकाबले जीत नहीं पाई और भाजपा मुक्त भारत की गालबजाई शुरू हो गई है। अभी तो यह देखना शेष है कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के समर्थन, सहयोग के बिना जद यू कितनी लोकसभा सीटें जीत सकता है ? नीतीश कुमार लगातार विपक्षी एकता की अपील करते रहे हैं, विपक्ष के बड़े नेताओं से भी मुलाकातें की हैं, लेकिन सबसे प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस और शैशवकालीन आप अलग- अलग ध्रुवों पर मौजूद हैं । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि सभी विपक्षी दल कांग्रेस की छतरी के तले आ जायें और विपक्षी महागठबंधन की शुरुआत की जायें, लेकिन आप के संयोजक केजरीवाल बार-बार यह व्यंजना देते रहे हैं कि कौन कांग्रेस ? वह खुद विपक्षी एकता के चेहरे बनना चाहते हैं ।

-अजय दीक्षित-

वन्य जीव : कानून को ज्यादा सख्त बनाना होगा

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन वन्य जीवन संरक्षण संशोधन विधेयक राज्य सभा के पटल पर रखा।

इससे पूर्व यह विधेयक मानसून सत्र में 3 अगस्त को लोक सभा में पारित कर दिया गया था। इस बिल का उद्देश्य वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय: प्रजातियों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन के बेहतर कार्यान्वयन के लिए एक प्रयास है।

विधेयक एक ऐसे प्रावधान के कारण से विवादास्पद था, जिसमें हाथियों का व्यापार करना संभव बना दिया गया था। इस कारण सदन में भारी विरोध के कारण उस प्रावधान को हटा दिया गया। विधेयक पेश करते हुए यादव ने कहा कि जंगली जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय: होने वाली प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर सम्मेलन सीआईटीईएस के तहत भारत के दायित्वों को पूरा करने के लिए संशोधन पेश किया गया है, क्योंकि भारत सीआईटीईएस का सदस्य है। जिस गति से वन्य जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियों का नुकसान हो रहा है, यह समझौता उसी के पालन के लिए संशोधित किया गया था।

भारत में वन्य जीवों के अवैध व्यापार के लिए अलग नियमों का प्रावधान किया गया है-जैसा सीमा शुल्क अधिनियम, एक्जिम नीति, विदेश व्यापार महानिदेशालय और वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम के तहत नियंत्रित किया जाता है। सीआईटीईएस ने वन्य जीवों के अवैध व्यापार के लिए अलग नियम का प्रावधान बनाया। यूपीए ने सीआईटीईएस के तहत अपने आश्वासनों को पूरा नहीं किया। लेकिन हम अभी इसे पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। लोक सभा ने इसे पारित कर दिया है। यादव ने कहा कि अधिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए सीआईटीईएस के परिशिष्ट-2 से परिशिष्ट-1 में लाल मुकुट वाले कछुवे और लीथ के सॉफ्ट शेल कछुवे को स्थानांतरित करने के भारत के प्रस्ताव को पनामा में सीआईटीईएस की 19वीं बैठक में पार्टियों के सम्मेलन सीवोपी द्वारा अपनाया गया है। उन्होंने कहा कि सीआईटीईएस ने छोटे कारीगरों को राहत देते हुए 10 किग्रा. तक की शीशम की लकड़ी में व्यापार पर कैप को मुक्त करने की अनुमति दी है।

लोक सभा में पारित विधेयक में वन्य जीवों के लिए राज्य बोडरे की स्थायी समितियों के गठन से संबंधित प्रावधान बनाया गया है। विशेषज्ञों ने कहा है कि इस प्रावधान से राज्य स्तर पर बुनियादी ढांचा, परियोजनाओं के लिए वन्य जीवन मंजूरी की प्रक्रिया को आसान बनाने की संभावना है, क्योंकि पैनल में ज्यादातर आधिकारिक सदस्य शामिल होंगे। अप्रैल में कांग्रेस नेता जयराम रमेश की अध्यक्षता वाली संसद की स्थायी समिति ने केंद्र से बंदी हाथियों के परिवहन के प्रावधानों का स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया था और इसकी कुछ सिफारिशों को केंद्र ने स्वीकार कर लिया था। तत्कालीन संप्रग सरकार ने 2005 में इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आश्वासन दिया था, लेकिन उसे पूरा नहीं किया।

यह सरकार इस आश्वासन को पूरा करने के साथ ही 1972 के कानून में संशोधन करना भी चाहती है। इस पर कांग्रेस के विवेक के. तन्खा ने कहा कि वन्य जीवों पर कानून बनाने का अधिकार पहले राज्यों के पास था। 1970 के दशक में संविधान संशोधन के बाद इस विषय को समवर्ती सूची में डाल दिया गया था। बिल का सेक्शन 43 इजाजत देता है कि हाथियों को एक जगह से दूसरी जगह धार्मिक और 'अन्य किसी भी कार्यों' के लिए ले जा जाया जा सकता है, जो कुछ स्पष्ट नहीं करता। बिल में यह बात स्पष्ट हो कि तीसरी पार्टी की शिकायत पर लुप्त हो रही प्रजातियों को गैर-कानूनी ढंग से बंदी बनाए जाने पर रोक लगे। इसी बात पर विपक्षी दलों ने सदन में बिल का विरोध किया और जोर दिया कि सरकार संघीय ढांचे की व्यवस्था को तोड़ने का प्रयास कर रही है।

देखा जाए तो देश के 20 फीसद भाग में वन हैं, वनों की सुरक्षा जरूरी है। इसके लिए स्थानीय लोगों की भूमिका बहुत आवश्यक है। उनके जंगल में घुसने के अधिकार को नहीं रोका जाना चाहिए। वनों और वन्य जीवों की सुरक्षा में आदिवासियों का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने ही वन संपदा को सुरक्षित रखने का प्रयास किया है। उनको वनों से बेदखल कर बाहरी व्यक्ति और व्यावसायिक हाथों के सुपुर्द करना पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। वनों के कटान का सिलसिला ब्रिटिश काल से ही उनके द्वारा बनाए कानूनों से शुरू हो गया था। इसी कारण वनों की अंधाधुंध कटाई से आज बहुत सारे वन समाप्त हो चुके हैं, और उस क्षेत्र में पैदा होने वाली वनस्पतियों और जीव-जंतुओं का इस धरती से पलायन हो गया है।

उनका संरक्षण ऐसे कानून और बिल नहीं कर सकते। इसलिए सोच-समझ कर ऐसी व्यवस्था बनाने की जरूरत है, जो सही मायनों में प्रकृति का संरक्षण करने में कारगर हो सके। आज सरकार जो कानून बनाने जा रही है, वह पर्याप्त नहीं हैं। मनुष्य के लिए प्राण वायु से लेकर इको सिस्टम की सख्त जरूरत है। सभी तरह के जीव-जंतुओं का अस्तित्व बनाए रखने का प्रयास जरूरी है, ताकि धरती हरी-भरी और उसका संतुलित अनुपात कायम रह सके। ऐसा न होने से मौसम का बदलाव हर किसी को इस धरती से उखाड़ फेंक सकता है।

-भगवती प्र. डोभाल -

फूलसिंग के भेद

सियनहा फूलसिंग गोरसी तापत चहा पियीस। कप ल इस्टूल म मढ़ाइस। भुइयाँ ल थेमत उठत रिहिस, थोरिक हड़बड़ा गे। हाथ ले इस्टूल ह धरागे। इस्टूल के गिरे के पहिली पुक ले कप गिरगे। बहू सोहागा देख परिस। ओखर एड़ी के रिस तरवा म चढ़ गे। बोलिस- ÷अई...अई... कइसे करत हस हो तुमन हा ?येदे एकठिन कप अउ फूटगे। इतवारी बाजार मा जा के नवा बिसाये रेहेंव।

बिहनिया ले अतेक चिल्लावत रिहिस सोहागा ह; फेर फूलसिंग के कान मा जूँ तक नइ रेंगत राहय। सोहागा के मन खटके लागिस कि मँय अतेक चिल्लावत हँव अउ येला कोनो फरक नइ परत हे।÷ जब तक फूलसिंग के कान मा सोहागा के दू-चार बात नइ परे तब तक फूलसिंग के खाना नइ पचय। जइसे सोहागा फूलसिंग के तीर मा आइस। फूलसिंग लकर-धकर कनटोप ला लगाइस अउ खोर डहर रेंगते रेंगिस। सोहागा देखते रहिगे।

सोहागा के गोसइया रामेश्वर हा सुत के उठिस। चेहरा मा चिंता छाये सोहागा ला देखिस त पूछ परिस- काय होगे सोहागा, बिहनिया ले आज तोर चेहरा मा अँधियारी काबर छाय हे ? फुग्गा अस मुँहू ला फुलाये हस। सोहागा कहिथे- दू-चार दिन ले देखत हँव बाबू ला, का होगे हे ते ? कुछू बोली के असर घलो नइ परे। चुपकन खोर डहर, नहीं ते अपन कुरिया मा खुसरे रहिथे। कुछू बोलबे नइ करय। रामेश्वर कहिथे- काय करबे सियान मनखे, जेन मन मा आथे करत रहिथे बिचारा हा। तोर हर बात के जवाब देवत थोड़ी खड़े रही। तै काबर ओखर पाछू परे रहिथस।÷

फूलसिंग के दिनचर्या धीरे-धीरे बदलत रहय। फूलसिंग कभू जिंनगी मा गाना नइ गाय रहय; तेन रोज गुनगुनावय। उटपुटांग बात घलो करय। रामेश्वर सोहागा ल कहिथे- तै सही कहत रेहेस ओ, आजकल ओखर कनटोप अउ स्वेटर हर निकले नहीं। पहिली तो हमन कतको काहन; तभो स्वेटर नइ पहिरे। साल ल नइ ओढ़े रहय; पर अब तो सूटबूट म अउ खीसा म कोन जनी काय रखे रहिथे ते दिनभर टमरते रहिथे।

एक दिन तो बिहनिया बड़ गजब होगे। फूलसिंग हर अपन कुरिया ले निकले नइ राहय। रामेश्वर अउ सोहागा चिंता मा डूब गे, कइसे नइ उठे हे बाबू हा अतेक बेर ले कहिके। उँखर जीव धुक-धुक करन लागिस। हिम्मत कर के कुरिया मा जा के रामेश्वर हूँद कराइस- ÷बाबू .... बाबू ! कुछू फरक नइ परत रहय। कम्बल के भीतरी सुते रहय फूलसिंग हा। रामेश्वर ह कम्बल ल हटावत फूलसिंग के मुँड़ ल उघारिस। सोहागा के मुँह ले बोली नइ फूटत रहय। फेर रामेश्वर ह फूलसिंग के हाथ ला छू के देखथे। साँस हर तो बने चलत रहय। फेर कनटोप हर लगेच रहय। जोर से सोहागा अपन ससुर ल हलावत किहिस- बाबू...बाबू....! फूलसिंग हड़बड़ा के खटिया ले उठिस त ओखर कान मा लगे ईयर फोन हर निकलगे। मोबाइल नीचे गिर गे। ओमा बजत फिल्मी गाना- हो हो हो ओ...आ आ आ... आँखों में तेरे सपने, होंठों पे तेरी बात, ये दिन तो कट जाता है, गुजरती नहीं रात... जोर-जोर से सुनाये लागिस। रामेश्वर,सोहागा अउ फूलसिंग एक दूसर ला बोकबाय देखे लागिन । फूलसिंग के जम्मो भेद हर खुल गे। तीनों झन खल-खलाके हाँस डारिन- हा..हा..हा...।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

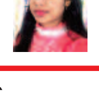

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

इरफान का दुस्साहस,आदिवासी पत्रकार पर अत्याचार,सरगुजा में पत्रकार के खिलाफ हुई कार्रवाई के विरोध में लामबंद हुए कलमकार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के युवा आदिवास पत्रकार सुशील बखला के खिलाफ सत्ता पक्ष के दबाव में हुई अंबिकापुर कोतवाली थाना में द्वेषपूर्वक कार्यवाही के विरोध में सरगुजा जिले के पत्रकारों ने मर्चा खोल दिया हैं। सरगुजा पत्रकार संघ सहित समस्त पत्रकार संगठनों ने पत्रकार सुशील बखला के खिलाफ हुई षडयंत्र पूर्वक कार्यवाही के विरोध में अंबिकापुर के हृदय स्थल गाँधी चौक पर मोर्चा खोल दिया हैं। सोमवार से समस्त पत्रकार अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठ गए हैं।

दरअसल सरगुजा में विगत दिनों इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार सुशील कुमार बखला को तथाकथित कांग्रेसी नेता इरफ़ान सिद्धकी ने जातिसूचक और भद्दी-भद्दी गाली देकर जान से मारे की धमकी बस इस बात को लेकर दी थी कि पत्रकार सुशील बखला बतौली के चिरंगा स्थित विवादित माँ कुदरगढ़ी एल्युमिनियम रिफाइनरी फैक्ट्री का खबर बनाने पहुंचे थे। इधर पीड़ित पत्रकार सुशील बखला की शिकायत पर अंबिकापुर अजाक पुलिस ने आरोपी इरफान सिद्धकी के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया है। लेकिन इस मामले में अबतक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। जबकि कोतवाली पुलिस ने पीड़ित सुशील बखला पर दबाव बनाने की नियत से उलट पत्रकार पर ही आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

पीड़ित पत्रकार के खिलाफ हुई इस कार्यवाही के विरोध में समस्त पत्रकार संगठनों में जबरदस्त आक्रोश है। पत्रकार के हित में पत्रकारों ने निर्णय लिया है कि जब तक पीड़ित पत्रकार सुशील बखला को ससम्मान पूर्वक न्याय नहीं मिलेगा तब तक यह आंदोलन अनवरत जारी रहेगा।

पत्रकारों की मांग हैं कि इस पूरे प्रकरण की न्यायिक जांच कराई जाये साथ ही पत्रकार सुशील बखला के खिलाफ कोतवाली थाना में आईटी एक्ट के तहत हुई द्वेषपूर्वक एफआईआर को वापस लिया जाए, इसके अलावा पत्रकारों की मांग है कि आरोपी इरफान सिद्धकी का मां कुदरगढ़ी एल्युमुनिया फैक्ट्री से क्या संबंध है सरकार इसे भी स्पष्ट करे । जब तक पत्रकारों की इस मांग को पूरा नहीं किया जायेगा तब तक यह धरना अनवरत जारी रहेगा।

आम नागरिकों के हित में सड़क दुर्घटना एवं चोरी के मामलों में बनाई गई आदर्श मानक प्रक्रिया

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला एवं नगर पुलिस अधीक्षक, स्मृतिक राजनाला के नेतृत्व मेंसरगुजा पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटना एवं चोरी के मामलों में एक आदर्श मानक प्रक्रिया तैयार कर सम्बंधित प्रकरणों में विधिसम्मत कार्रवाई करने हेतु दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। आईजी रामगोपाल गर्ग के मार्गदर्शन में एसपी भावना गुप्ता ने आदर्श मानक प्रक्रिया का रुपरेखा तैयार कर जिले के समस्त थाना, चौकी, यातायात शाखा को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इस एसओपी का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं एवं चोरी के मामलों में कमी लाना एवं घटना के उपरांत की जाने वाली कार्रवाई की

रूपरेखा के बारे में बताना हैं। जैसे ही किसी सड़क दुर्घटना की सूचना थाना, चौकी स्तर पर सम्बंधित विवेचक को प्राप्त होती है, विवेचक तत्काल घटना स्थल पर पहुचकर सूचनाकर्ता से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर चिकित्सा विभाग से समन्वय स्थापित कर घालय को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराना, घटनास्थल की फोटो ग्राफी, विडियो ग्राफी करना, यातायात के नियमों जैसे तीन सवारी, बिना हेलमेंट वाहन चलाना, बिना सीट बेल्ट का वाहन चलाना, शराब के नशे में वाहन चलाना, गलत दिशा में वाहन चलाना, सिग्नल जम्प करना, तेज रफ्तार से वाहन चलाना इत्यादि के उल्लंघन की पहचान करना, शराब के नशे में होने पर आरोपी का लाईसेंस सस्पेंशन के लिए भी आवेदन प्रस्तुत करना, दुर्घटना ग्रस्त वाहन को तत्काल घटना स्थल से हटाना है, ताकि यातायात बाधित ना हो व भीड़ इकट्ठा ना हो। वाहन दुर्घटना के हॉट स्पोट की पहचान कर विश्लेषण करना है। ऐसे व्यक्ति जो सड़क दुर्घटना के समय सहयोग करता है उन्हें प्रोत्साहित करना है। प्रत्येक महीने मे हुई सड़क दुर्घटनाओ के संबंध में ब्लेक स्पॉट का चिन्हांकन करना है।

चोरी के मामलो मे आदर्श मानक प्रक्रिया

रिपोर्ट दर्ज होने के उपरात मामले की डायरी बीट प्रभारी जिसके क्षेत्र में चोरी हुई है उसे विवेचना हेतु दिया जाए, विवेचना अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुचे साथ ही सूचना कर्ता और एफएसएल की टीम भी यदि आवश्यक हो तो साथ ले जाना सुनिश्चित करें, घटना स्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरा की उपलब्धता के विषय मे देखना है यदि उपलब्ध है तो उसे प्राप्त करना, संपति संबधी पूर्व अपराधियों के बारे मे पूरी जानकारी प्राप्त करना है।

नवोदय विद्यालय में मनाया गया प्रथम वीर बाल दिवस

- संवाददाता -
सूरजपुर, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई ,जिला-सूरजपुर में सिखों के आध्यात्मिक गुरु, गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों के शहादत दिवस को प्रथम बाल वीर दिवस के रूप में प्राचार्य डॉक्टर आर.पी. यदु के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन म सफलता पूर्वक मनाया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुआ । सर्वप्रथम कार्यक्रम के संचालक हिंदी शिक्षक चितरंजन कुमार चौहान द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया उन्होंने गुरु गोविंद सिंह के चार देशभक्त पुत्रों साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह एवं साहिबजादा फतेह सिंह की कुर्बानियों को याद करते हुए श्रद्धांजलि समर्पित की। कक्षा 10वीं की होनहार छात्राओं में भूमिका सोनवानी, माही जायसवाल, भारती रवि, संध्या आंडिल्य ,सुहानी साहू एवम कक्षा दसवीं के छात्र विष्णु प्रताप ने प्रेरणास्पद देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया। विद्यालय के वरिष्ठ विद्वान शिक्षक डॉ. जेड. एच. सिद्दीकी ने गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों के जीवन वृतांत एवं देशभक्ति की जानकारी विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि अपने देश की आन, बान व शान के लिए इन वीर बालकों ने अपना प्राण उत्सर्ग कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय में निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं कहानी लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कहानी लेखन प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं ब अरावली सदन की छात्रा सौम्या कुशवाहा ने प्रथम , उन्नति उपाध्याय आठवीं व अरावली सदन की छात्रा ने द्वितीय एवं आरती यादव कक्षा छठवीं ब नीलगिरी सदन की छात्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में आयुष कुमार 10वीं व नीलगिरी वरिष्ठ ने प्रथम, श्रद्धा सोनवानी नवमी अरावली सदन ने द्वितीय एवं गायत्री राजवाड़े नवमी अरावली सदन की बालिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय काउंसलर श्री रमेश कुमार द्वारा विद्यार्थियों को ÷चार साहबजादे÷ फिल्म दिखाई गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु श्री डी.आर. कँवर, कंप्यूटर शिक्षक श्री देवांगन सर, श्री प्रमेंद्र सिंह ,श्री आशुतोष कुमार, अंग्रेजी शिक्षक श्री उमेश कुमार ,शिक्षिका सुश्री शिखा सुरेला, शिक्षिका पद्मिनी तिवारी ,कला शिक्षक श्रीवास्तव सर ,अंग्रेजी शिक्षिका सुश्री रमा सोलंकी ,अन्य समस्त सम्माननीय विद्यालय के कर्मचारियों एवं प्रतिभाशाली अनुशासित विद्यार्थियों का विशेष योगदान रहा।

समाजसेवी महिला के पति लापता

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शहर के समाजसेवी महिला चैती अग्रवाल के पति राकेश अग्रवाल 25 दिसंबर की रात से लापता हैं। चैती अग्रवाल ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में गुम इंसान कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 44 वर्षीय राकेश अग्रवाल शहर के जोड़ापीपल के निवासी हैं। वह 25 दिसंबर की रात बजे किसी पार्टी में जाने की बात कहकर घर से निकले थे। जो वापस नहीं लौटे हैं। राकेश अग्रवाल के वापस नहीं लौटने पर घरवालों ने आस पास व रिश्तेदारों के यहां पता तलाश की पर कहीं पता नहीं चला। राकेश अग्रवाल की पत्नी चैती अग्रवाल ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में गुम इंशान कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव एवं सरगुजा जिले के पदाधिकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

भारत जोड़ो यात्रा सांसद एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही है। ये यात्रा 150 दिन चलेगी और ये कन्याकुमारी से कश्मीर में पहुंचकर 3570 किलोमीटर के यह यात्रा का समापन होगा। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश में नफरत से दूर होकर आपसी भाईचारा के निर्मित कर मोहब्बत से देश वासी रहे उनके दुख और दर्द को राहुल गांधी सुन भी रहे है और सुधार के लिए सरकार को बता भी रहे है। किसान युवा छात्र फिल्म जगत के हस्तियां विभिन्न दलों के नेता भी इस यात्रा के समर्थन में राहुल गांधी के साथ कदम से कदम मिला कर चल रहेभाई इस यात्रा में शामिल होने दिल्ली में बदरपुर से लाल किला तक की यात्रा में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन राष्ट्रीय महासहसिव विशाल चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे के आव्हान पर प्रदेश महासचिव हिमांशु जायसवाल के साथ युवा कांग्रेस के पवन साय सिंह पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता, विधानसभा लुण्ड्रा के अध्यक्ष गलेंद्र यादव सहित सरगुजा जिले के छात्र नेतागण शामिल हुए। प्रदेश महासचिव हिमांशु जायसवाल ने बताया भारत में बढ़ती मंहगाई बेरोजगारी लोगो को निराश हताश हो गए है युवा अपने आपको ठगा महसूस कर रहे देश के धरोहर को बेचा जा रहा है लोगो की आकांक्षाओं की उपेक्षा की जा रही है ये अन्याय के खिलाफ ये भारत जोड़ो यात्रा निकाला गया है जिसमे देशवासियों को हो रही परेशानी को जानने का प्रयास के निराकरण के लिए भी पहल हो रही है सरकार को अवगत भी कराया जा रहा है सरगुजा जिले के लगभग 20 साथियों ने इस यात्रा में शामिल होकर राहुल गांधी जी के साथ कदम से कदम मिलाया।

शायर मिर्जा गालिब की जयन्ती पर साहित्य व संगीत का आयोजन आज

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले की सबसे पुरानी सहित्यिक संस्था सरगुजा हिन्दी साहित्य परिषद द्वारा महान शायर मिर्जा गालिब की जयन्ती के उपलक्ष में मंगलवार की शाम को 6 बजे स्थानीय होटल पंचानन में एक साहित्य एवं संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में श्याम कश्यप बेचैन, विजय गुप्त, महेश वर्मा एवं डॉ. दीपक सिंह गालिब की शायरी पर अपने विचार व्यक्त करेंगे तथा अंजनी पांडेय गालिब की चंद गजलों का गायन करेंगे। उक्त जानकारी परिषद के सचिव रमेश द्विवेदी ने देते हुए नगर के साहित्यप्रेमियों से अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

पश्चिम बंगाल में आयोजित राष्ट्रीय जूनियर नेटबाल प्रतियोगिता में सुलेखा टोप्पो लेगी भाग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश जुनियर बालिका नेटबाल टीम में सुलेखा टोप्पो का चयन। कु. सुलेखा टोप्पो छत्तीसगढ़ प्रदेश के जुनियर बालिका नेटबाल टीम में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलेगी। 35 वीं राष्ट्रीय जुनियर नेटबाल (बालक /बालिका) पश्चिम बंगाल (हावड़ा) में 25 दिसंबर से 28 दिसंबर 2022 तक आयोजित है इस आयोजन में सरगुजा जिला नेटबाल संघ की नई उभरती प्रतिभाशाली कु. सुलेखा टोप्पो सरगुजा जिला में नेटबाल खेल का प्रचार प्रसार में सहायक बनेगी। नेटबाल खेल का प्रशिक्षण गांधी स्टेडियम, अम्बिकापूर में राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन व देखरेख में सिख रही है। नेटबाल खेल छत्तीसगढ़ राज्य शासन में मान्यता प्राप्त खेल है। छत्तीसगढ़ राज्य में सरगुजा जिला का इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा ओर ब्रांउज मेडल जीते थे । इसी जीत से कु. सुलेखा टोप्पो का छत्तीसगढ़ प्रदेश जुनियर बालिका टीम चयन हुआ था।

डी हिलॉक्स पब्लिक स्कूल में मना वाषिकोत्सव

अंबिकापुर, 20 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

डी हिलॉक्स पब्लिक हायर सेकेन्डरी स्कूल अंबिकापुर में वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री अजय अग्रवाल, एडिशनल एसपी विवेक शुक्ला रहे। इस दौरान एएसपी विवेक शुक्ला ने कहा कि प्रत्येक बच्चों को एक लक्ष्य निर्धारित करना अवश्यक है। जिसे अपनी मेहनत व लगन से उस मंजिल तक पहुंचना आसान हो जाता है। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस संस्था के निर्देशक पुमिल अग्रवाल, प्राचार्य, गोपाल अग्रवाल, सिद्धार्थ गर्ग, अभिषेक सहित स्कूल के बच्चे व अभिभावक शामिल रहे।

नगर पंचायत प्रेमनगर के वार्ड क्र.12 हेतु सेक्टर अधिकारी नियुक्त

- संवाददाता -
सूरजपुर, 20 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री इफ्फत आरा ने आदेश जारी कर नगर पंचायत प्रेमनगर के वार्ड क्रमांक 12 के उप निर्वाचन 2022-23 के सुचारू रूप से निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए सेक्टर प्रेमनगर, रानी दुर्गावती वार्ड क्रमांक 12, मतदान केन्द्र भवन प्राथमिक शाला भुईहारी टिकरा, मतदान क्रमांक 01 हेतु श्री रविशंकर सोनी अनुविभागीय अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा प्रेमनगर को सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं श्री राजेश कुजूर खण्ड स्त्रोत समन्वयक, कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रेमनगर को रिजर्व रखा गया है। सभी सेक्टर अधिकारी अपने क्षेत्र का भ्रमण कर प्रतिवेदन अपने रिटर्रिंग आफिसर को प्रस्तुत करेंगे तथा उसकी एक प्रति व्हाट्स-अप के माध्यम से उप जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजेंगे। उपरोक्त अधिकारी मतदान दलों के प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में आवश्यक रूप से उपस्थित रहेंगे। मतदान की प्रक्रिया का सफल संचालन की संपूर्ण जवाबदारी सेक्टर अधिकारी की होगी।

लोगों को भाया जानकारी से भरपूर छायाचित्र प्रदर्शनी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जनसंपर्क विभाग द्वारा सोमवार को सीतापुर जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सुंदर एवं आकर्षक फ्लेक्स के माध्यम से लगाई गई प्रदर्शनी में सहज ढंग से जानकारी मिलने से लोगों ने उत्सुकता के साथ बड़ी संख्या में देखने पहुंचे।

छायाचित्र प्रदर्शनी देखने पहुंचे श्री कृष्णा एवं श्री दीपक कुमार ने बताया कि प्रदर्शनी में किसान न्याय योजना, वनोपज संग्रहण, भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना से किसानों, मजदूरों तथा वनांचल के ग्रामीणों को लाभ मिल रहा है। तेंदूपत्ता के दर में वृद्धि तथा वनोपजों में भी संख्या बढ़ाई गई है जिससे फायदा मिल रहा है। इसके साथ ही श्री निर्मल प्रसाद, श्री राजकुमार, श्री शिवरंजन, निधि तिर्की, बुधनी बाई, श्री सुरेश्वर, श्री रजिंदर तथा अन्य ग्रामीण बड़ी संख्या में पहुँचे थे।

ज्ञातव्य है कि ज्ञातव्य है कि जनसम्पर्क विभाग द्वारा राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, कृषि ऋण माफी, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय, बिजली बिल हॉफ योजना, गोधन न्याय योजना, सुराजी गांव योजना सहित अन्य योजनाओं की प्रदर्शनी के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

आर्थिक बदहाली में ब्रिटेन के हजारों लोग निर्भर हो गए हैं 'वॉर्म बैंक'

लंदन , 26 दिसम्बर 2022। ब्रिटेन में ऊर्जा संकट और आर्थिक बदहाली का आलम ऐसा है कि देश में 'वॉर्म बैंक' का कॉन्सेप्ट लोकप्रिय हो गया है। इन सर्दियों में हजारों लोग ऐसे वॉर्म बैंकों पर निर्भर हैं। बहुत से वॉर्म बैंक स्वयंसेवी संस्थाएं चला रही हैं, जहां लोग कंपकंपाती सर्दी से राहत पाने के लिए जा रहे हैं।

अमेरिकी टीवी चैनल सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक पूरे ब्रिटेन में हजारों वॉर्म बैंक खोले गए हैं। ये वैसे घर हैं, जिन्हें गर्म रखने का इंतजाम है। यहां वे लोग आ रहे हैं, जिन्हें प्राकृतिक गैस की बढ़ी महंगाई के कारण अपने घरों को गर्म रखने के सिस्टम को बंद करना पड़ा है। देश में महंगाई की दर 40 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। इस कारण लोगों के लिए अपनी रोजमर्रा की चीजों को खरीदना भी मुश्किल हो गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे लोगों को राहत देने के लिए तीन हजार से ज्यादा संस्थाओं ने वॉर्म वेलकम कैंपेन शुरू किया है, जिसके तहत हजारों की संख्या में वॉर्म बैंक खोले गए हैं।

एक वॉर्म बैंक के पास सामाजिक कार्यकर्ता शेरलॉट ने सीएनएन से कहा- 'अनगिनत लोग जीने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जबकि अभी मौजूदा संकट और बढ़ने वाला है। हमने वॉर्म बैंक उन लोगों के लिए शुरू किए हैं, जिनके पास सिर्फ इतना पैसा है कि वे या तो उसे खाने पर खर्च कर सकते हैं या फिर घर को गर्म रखने पर।'

वॉर्म बैंक धनी लोगों या कारोबारियों से मिले चंदे के जरिए चलाए जा रहे हैं। कुछ चैरिटेबल ट्रस्ट्स ने भी इसके लिए अनुदान दिए हैं। महंगाई के इस संकट को कॉस्ट ऑफ लिविंग क्राइसिस के नाम से जाना गया है। ब्रिटिश सरकार के आंकड़ों के मुताबिक इस संकट की शुरुआत 2021 में ही हो गई थी। अक्तूबर 2021 से अक्तूबर 2022 तक ब्रिटेन में घरेलू गैस और बिजली की कीमत में क्रमशः 129 फीसदी और 66 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। औसत ऊर्जा बिल 96 फीसदी बढ़ा है।

पूर्वी इंग्लैंड में स्थित नॉर्विच में वॉर्म बैंक चला रही संस्था फ्यूचर प्रोजेक्ट्स में एडल्ट सर्विट मैनेजर ग्रेस रिचर्डसन ने बताया कि उनकी संस्था ने गर्मियों में ही इस पहल की तैयारी शुरू कर दी थी। वह ऐसे इलाकों में ऐसे केंद्र चला रही है, जो पहले से गरीबी का शिकार रहे है। उन्होंने कहा- 'इस सर्दी में है लोगों को ऐसी जगह उपलब्ध करवा रहे हैं, जिहां आकर वे रह सकें और अपना पैसा बचा सकें। हमारे यहां ऐसे लोग भी आए हैं, जो चौबीसों घंटे यहीं रहते हैं। ये लोग अपना गुजारा चलाने में अक्षम हो गए हैं।'

इस समय पूरे यूरोप को ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि इसकी शुरुआत 2021 में ही हो गई थी, लेकिन इस वर्ष यूक्रेन युद्ध के बाद यह तेजी से गहराया। ब्रिटेन में राजनीतिक अस्थिरता और सरकारों की अस्थिर नीतियों के कारण यह संकट अत्यधिक गंभीर रूप ले चुका है। ब्रिटिश सरकार ने गरीब परिवारों के लिए 400 पाउंड की ऊर्जा सहायता योजना का एलान किया है। लेकिन चौतरफा महंगाई के कारण इससे ज्यादा राहत नहीं मिली है। इसीलिए हजारों की संख्या में लोग वॉर्म बैंकों पर निर्भर हो गए हैं।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, जन्मदिन पर बर्फ में जम गया व्यक्ति,मौत

न्यूयॉर्क, 26 दिसम्बर 2022। सर्दी के बीच अमेरिका में बर्फीले तूफान में कहर बरपाया। इसके कारण अब तक 30 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच एक व्यक्ति की जन्मदिन पर बर्फ में जम जाने से मौत की घटना सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बफेलो शहर में 56 वर्षीय विलियम क्ले की बर्फ में जमने से मौत हो गई। क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बिलियम लापता हो गए थे। बाद में परिवार के सदस्यों ने उसके शव की पहचान की। न्यूयॉर्क का बफेलो शहर बर्फीले तूफान की चपेट में है। यहां तापमान शून्य से नीचे गिर गया है और अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

इससे पहले, विलियम क्ले की बहन ने फेसबुक पोस्ट में लोगों से अपने भाई की तलाश में मदद करने की अपील की थी। बाद में उन्होंने क्ले की मौत की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि वह उस व्यक्ति की बहन हैं, जिसकी बर्फानी तूफान के दौरान 24 दिसंबर को जान चली गई। बहन ने बताया कि उनके भाई ने जन्मदिन पर अपनी जान गंवा दी।

बर्फीले तूफान से 34 से अधिक की मौत

बता दें, अमेरिका में बर्फीले तूफान से अब तक 34 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। देश के अधिकतर राज्यों में भारी बर्फबारी हो रही है। तूफान की वजह से 20 लाख लोगों के घर की बिजली गुल हो गई है और 5200 उड़ानें रद्द करनी पड़ी है। न्यूयॉर्क समेत कई प्रमुख शहरों में तापमान गिरकर -6एष्ट तक पहुंच गया है।

न्यूयॉर्क हवाई अड्डे का परिचालन बंद

न्यूयॉर्क प्रशासन का कहना है कि तूफान के कारण यहां के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को सोमवार सुबह तक के लिए बंद कर दिया गया है। वहीं, बचाव के लिए गए लगभग सभी दमकल ट्रक बर्फबारी में फंसे हुए हैं। इस बीच, पूर्वी अमेरिका के एक प्रमुख बिजली ग्रिड ऑपरेटर ने 6.5 करोड़ लोगों को ब्लैकआउट की चेतावनी जारी की है और 13 राज्यों के निवासियों से बिजली बचाने के लिए कहा गया है।

आर्थिक संकट,सियासी तनाव और आतंकवादी हमलों से डगमगा रहा है पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 26 दिसम्बर 2022। आर्थिक संकट और राजनीतिक तनाव के बीच आम सुरक्षा व्यवस्था के भी डगमग हो जाने से पाकिस्तान पूरी तरह से अस्थिर होता नजर आ रहा है। बीते एक हफ्ते में आतंकवादी हमलों में हुई असाधारण बढ़ोतरी ने पाकिस्तान के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इसका असर विदेशी एजेंसियों के नजरिए पर भी हो रहा है। इसकी ताजा मिसाल अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का फैसला है। आईएमएफ ने कर्ज की रकम जारी करने के बदले अपनी शर्तों को अब और ज्यादा सख्त बना दिया है।

पाकिस्तान की वेबसाइट टाइम्स ऑफ इस्लामाबाद में छपी खबर के मुताबिक आईएमएफ ने कहा है कि कर्ज की रकम जारी करने के लिए उसने जो शर्तें लगाई थीं, उन्हें अब पाकिस्तान सरकार तीन हफ्तों के अंदर पूरा कर दे। आईएमएफ ने अपनी विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत पाकिस्तान के लिए जो कर्ज मंजूर किया है, उसकी पहली किस्त के तौर पर वह एक बिलियन डॉलर की रकम जारी करेगा। लेकिन आईएमएफ और पाकिस्तान सरकार तहत हुए स्टाफ-लेवल समझौते सहमति बनी थी कि आईएमएफ की शर्तें पूरी होने के बाद ये रकम जारी होगी। अब आईएमएफ ने कहा है कि वह शर्तें पूरी होने के लिए अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं करेगा। खबरों के मुताबिक आईएमएफ का यह संदेश आने के बाद अब पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशहाक डार ने शर्तें पूरी करने की रणनीति बनाने के लिए अपनी आर्थिक टीम की बैठक बुलाई है।

विश्लेषकों का कहना है कि देश में जिस तरह के हालात हैं, उनके बीच आईएमएफ के सब्र का जवाब देना लाजिमी है। एक तरफ राजनीतिक स्थिरता बहाल करने के मुद्दे पर शहबाज शरीफ सरकार और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बीच को कोई सहमति नहीं बन पा रही है, वहीं अचानक देश पर आतंकवादी हमले तेज हो गए हैं। इमरान खान तुरंत आम चुनाव की अपनी मांग पर जोर डालने के लिए नेशनल और प्रांतीय असेंबलियों से अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सदस्यों का इस्तीफा दिलवाने पर आमादा है। उन्होंने एलान किया है कि इस बुधवार को उनकी पार्टी के सांसद नेशनल असेंबली जाकर स्पीकर पर अपने इस्तीफे स्वीकार करने के लिए दबाव बनाएंगे। स्पीकर ने इन सदस्यों के इस्तीफे पर फैसला लटका रखा है। उधर पंजाब की प्रांतीय असेंबली को भंग कराने की पीटीआई की कोशिश को लेकर संवैधानिक गतिरोध बना हुआ है।

इसी बीच रविवार को बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादियों ने सात विस्फोट किए, जिनमें पाकिस्तान के पांच सैनिक मारे गए और 15 जख्मी हो गए। बीते हफ्ते इस्लामाबाद में भी फिदायीन हमला हुआ था। खैबर पख्तूनवा और अफगानिस्तान से लगे सीमाई इलाकों लगातार हिंसा और आतंकवादी हमलों की कई घटनाएं हुई हैं। इन वारदात से इतनी दहशत फैली हुई है कि रविवार को यहां अमेरिकी दूतावास ने यहां मौजूदा अमेरिकी नागरिकों को यहां के एक फाइव स्टार होटल में ना जाने का आदेश दिया। अमेरिकी दूतावास ने कहा कि उसे इस होटल पर हमला की साजिश की सूचना मिली है। अमेरिकी दूतावास ने अपने बयान में जिक्र किया कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए इस्लामाबाद में रेड अलर्ट जारी है।

अखबार द न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक हाल में हुए हमलों के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जिम्मेदार है। इस रिपोर्ट के मुताबिक 2021 के अगस्त के बाद से पाकिस्तान में 420 से अधिक आतंकवादी हमले हो चुके हैं। सिर्फ पिछले तीन महीनों में टीटीपी ने 141 हमले किए हैं।

उत्तर कोरिया ने पड़ोसी देश पर किए ड्रोन से हमले,दक्षिण कोरिया ने भी फाइटर जेट से किया पलटवार

सियोल , 26 दिसम्बर 2022। दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया पर एक बार फिर से ड्रोन से हमले के आरोप लगाए हैं। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि उत्तर कोरिया के ड्रोन द्वारा दक्षिण के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने के बाद उसने फाइटर जेट से पलटवार किए हैं।सियोल के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि कई उत्तर कोरियाई मानव रहित हवाई वाहनों ने हमारे ग्योंगगी प्रांत के आसपास के सीमावर्ती क्षेत्रों पर हमला किया। समाचार एजेंसी योनहाप ने बताया कि यह घटना तब हुई जब दक्षिण कोरिया ने दोनों देशों के बीच सैन्य सीमांकन रेखा के रूप में जानी जाने वाली उत्तर कोरिया से आने वाले ड्रोन को ट्रैक किया।

समाचार एजेंसी योनहाप ने बताया कि यह घटना तब हुई जब दक्षिण कोरिया ने दोनों देशों के बीच सैन्य सीमांकन रेखा के रूप में जानी जाने वाली उत्तर कोरिया से आने वाले ड्रोन को ट्रैक किया। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि ड्रोन का मुकाबला करने के दौरान, एक दक्षिण कोरियाई केए-1 हल्का हमला करने वाला विमान अपने वोनजू बेस से निकलने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके दो पायलट दुर्घटना से पहले बच निकलने में सफल रहे थे और अब अस्पताल में हैं।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 1947 से अब तक के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपतियों को मिले उपहारों पर रिपोर्ट मांगी

इस्लामाबाद , 26 दिसम्बर 2022। पाकिस्तान के निर्माण के बाद से प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों द्वारा प्राप्त उपहारों का विवरण देने से इनकार करने पर इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने सोमवार को कैबिनेट डिवीजन को नोटिस जारी किया। आईएचसी ने कैबिनेट से एक महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। जियो न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएचसी के न्यायमूर्ति मियां गुल हसन औरंगजेब ने अबुजार सलमान नियाजी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की। याचिकाकर्ता की ओर से वकील वसीम आबिद अदालत में पेश हुए। आबिद ने सुनवाई के दौरान कहा कि याचिकाकर्ता ने पाकिस्तान के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों को

अन्य देशों द्वारा दिए जाने वाले उपहारों की मांग की। कैबिनेट डिवीजन ने जानकारी देने से इनकार कर दिया और इसे गोपनीय बताया। याचिकाकर्ता के वकील के मुताबिक पाकिस्तान सूचना आयोग ने 29 जून को इस संबंध में आदेश दिया था लेकिन पांच महीने बीत जाने के बाद भी आदेश पर अमल नहीं हो सका है।

जस्टिस हसन ने सुनवाई के दौरान कहा कि आप इस उपहार को केवल राष्ट्रपति और प्रधानमंत्रियों तक ही सिमित क्यों रखना चाहते हैं? और भी लोकसेवकों ने उपहार लिए हैं उन्हें क्यों शामिल नहीं किया गया? आप अपनी मंशा को स्पष्ट कीजिए। इसपर याचिकाकर्ता ने कहा कि इस तरह की याचिका केवल प्रधानमंत्रियों के लिए होते हैं।

सरकार ने कहा-1990 के पहले का कोई रिकॉर्ड नहीं होगा

अदालत ने इसके बाद पाकिस्तान के उप अटार्नी जनरल सैयद अहसान रजा से कहा कि यदि आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो तो उपलब्ध कराएं। हालांकि, रजा ने कहा कि ऐसी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध होनी चाहिए और 1990 से पहले का कोई रिकॉर्ड नहीं होगा। तोशखाना के रिकॉर्ड उपलब्ध हो सकते हैं, अदालत ने कहा। अदालत द्वारा कैबिनेट डिवीजन से एक महीने में रिपोर्ट मांगे जाने के बाद सुनवाई स्थगित कर दी गई थी।

यह दूसरी बार है जब किसी अदालत ने इस तरह की याचिका पर कार्रवाई की

जियो न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार यह दूसरी बार है जब किसी अदालत ने इस तरह की याचिका पर कार्रवाई की है। इससे पहले दिसंबर में, लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) ने 1947 से तोशखाना से लिए गए उपहारों का ब्योरा मांगा था। नागरिक मुनीर अहमद की याचिका पर एलएचसी के न्यायमूर्ति असीम हफीज द्वारा विवरण मांगा गया था।

2021 में उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था में आई 0.1 प्रतिशत की गिरावट

सियोल। उत्तर कोरिया की अर्थव्यवस्था में एक साल पहले की तुलना में 2021 में 0.1 प्रतिशत की गिरावट आई है। सांख्यिकी कोरिया के आंकड़ों के अनुसार देश का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगातार दूसरे वर्ष गिर गया। 2020 में इसमें 4.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। 2021 में दक्षिण कोरियाई अर्थव्यवस्था पिछले वर्ष की तुलना में 4.1 प्रतिशत बढ़ी।

उत्तर कोरिया की प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) पिछले साल 1.42 मिलियन जीती थी। दक्षिण कोरिया का वोन 40.4 मिलियन पर 28 गुना अधिक था।

उत्तर कोरिया का व्यापार 2021 में 17.3 प्रतिशत गिरकर 710 मिलियन डॉलर हो गया।

पिछले साल उत्तर कोरिया का चीन के साथ 95.6 प्रतिशत व्यापार हुआ। इसके बाद क्रमशः वियतनाम और भारत से 1.7 प्रतिशत और 0.4 प्रतिशत व्यापार हुआ।

2021 में उत्तर का खाद्य फसलों का उत्पादन 4.69 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो एक साल पहले की तुलना में 6.7 प्रतिशत अधिक है। यह दक्षिण कोरिया के 4.46 मिलियन टन से ऊपर रहा।

दक्षिण कोरिया की 51.75 मिलियन की तुलना में उत्तर कोरिया की जनसंख्या पिछले वर्ष 25.48 मिलियन थी।

बर्फीले तूफान की चपेट में जापान, 17 लोगों की मौत, कई घायल

टोक्यो, 26 दिसम्बर 2022। अमेरिका की तरह जापान भी बर्फीले तूफान की चपेट में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सर्दी के मौसम में जापान में भारी बर्फबारी के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। जिससे जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बर्फीले तूफान के कारण अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है और 90 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। वहीं, कई इलाकों में बिजली गुल हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भीषण सर्दी के बीच बीते एक सप्ताह से जापान के उत्तरी हिस्सों में भारी बर्फबारी हो रही है। अधिकांश सड़कें बर्फ की चादर से ढक गई है, जिससे सैकड़ों वाहन फंस गए हैं। डिलीवरी सेवाएं भी बुरी तरह बाधित हुई हैं। शनिवार तक 11 लोगों की मौत हो गई थी।

लोगों से बर्फ हटाने के दौरान सावधानी बरतने की अपील

आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को बताया कि क्रिसमस के अवसर पर बीते दो दिनों में भारी बर्फबारी हुई और सोमवार सुबह तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 17 पहुंच गई और 93 लोग घायल हुए हैं। इनमें अधिकांश मौतें घर की छतों से बर्फ फिसलने के कारण हुए हादसों में हुई। वहीं स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में निवासियों से छतों से बर्फ हटाने के दौरान सावधानी बरतने की अपील की है।

नए साल में श्रीलंका लेगा नई आर्थिक दिशा में चलने का संकल्प,लोगों को 'आजादी' देने की तैयारी

कोलंबो, 26 दिसम्बर 2022। श्रीलंका सरकार नए साल में देश को नई दिशा देने की योजना पर विचार कर रही है। उसका मकसद उन स्थितियों से देश को निकालना होगा, जिनकी वजह से मौजूदा आर्थिक संकट में वह फंसा। श्रीलंका के वित्त राज्यमंत्री रंजीत सियमबालापिटिया ने एक इस बारे में जानकारी दी है। एक बयान में उन्होंने कहा कि 2020 में कोरोना महामारी आने के बाद लोगों से आर्थिक स्वतंत्रता छीन ली गई थी। अब इस पर विचार किया जा रहा है कि क्या मौजूदा व्यवस्था को अभी जारी रखा जाए, या लोगों को उनकी आर्थिक आजादी लौटा दी जाए।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक श्रीलंका सरकार के अंदर इस बात पर गंभीरता से विचार हो रहा है कि श्रीलंका को अब आगे आत्म-निर्भरता आधारित अर्थव्यवस्था अपनानी चाहिए, या उसे आयात पर निर्भर बने रहना चाहिए। मौद्रिक संकट खड़ा होने के बाद श्रीलंका सरकार ने 1,645 वस्तुओं के आयात पर रोक लगा दी थी। बाद में उनमें से 795 वस्तुओं के आयात की फिर से इजाजात दे दी गई। क्या बाकी बची वस्तुओं के आयात की फिर से छूट दी जाए, इस सवाल पर अभी सोच-विचार चल रहा है। देश के कारोबारी हलकों में इस प्रश्न पर मतभेद हैं।

सियमबालापिटिया ने बताया है कि उन वस्तुओं के आयात की छूट देने पर गंभीरता से विचार हो रहा है, जिनका देश के अंदर उत्पादन नहीं होता है। लेकिन जिन वस्तुओं का देश के अंदर उत्पादन हो सकता है, उनके बारे में अभी गहन चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा- 'क्या नारियल और बांस से बनने वाले उत्पादों का भी आयात किया जाए, यह बड़ा सवाल है। इन चीजों का उत्पादन देश के अंदर भी किया जा सकता है।'

वेबसाइट इकॉनमीनेक्स्ट.कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका में जैसे-जैसे विदेशी मुद्रा का संकट गहराया, लोगों की आयात-निर्यात करने की आजादी पर शिकंजा कसता गया है। लेकिन आयात नियंत्रित करने का परिणाम कुछ मामलों में मुनाफाखोरी के रूप में भी सामने आया है। उधर आयात रुकने का असर कुछ ऐसी वस्तुओं के निर्यात पर भी पड़ा, जिनके उत्पादन में आयातित चीजों का इस्तेमाल होता है। इन सबके कारण देश आर्थिक दुश्चक्र में फंस गया है।

विश्लेषकों के मुताबिक श्रीलंका में पैदा हुए हालात लंबे समय से अपनाई गई गलत नीतियों का परिणाम हैं। बीते कई दशक से सरकारों ने आर्थिक ढांचे की अनदेखी की। राजनीतिक दल उग्र राष्ट्रवादी भावनाओं को बढ़ावा देकर चुनाव जीतते रहे, जबकि आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने पर उनका ध्यान नहीं रहा। पहले से ही कमजोर हो चुकी अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी आने पर गहरे संकट में फंस गई और इस वर्ष वह पूरी ढह गई।

अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि श्रीलंका सरकार अगर सचमुच अर्थव्यवस्था को नई दिशा देना चाहती है, तो उसे सिर्फ आयात और निर्यात की नीति में हेरफेर से आगे बढ़ना होगा। वेबसाइट इकोनॉमीनेक्स्ट के मुताबिक विशेषज्ञों की सलाह है कि श्रीलंका सरकार को आयात-निर्यात नीति में संतुलन इस ढंग से बनाना चाहिए कि देश धीरे-धीरे मुक्त व्यापार को अपनाए और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अपनी खास भूमिका बना सके। उसे अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन में अपने लिए एक खास जगह बनानी होगी, तभी वह भविष्य में इस वर्ष से जैसी मुसीबत से बच पाएगा।

CMYK

पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी बाजपेयी की जन्म जयंती अवसर पर मण्डल अध्यक्ष की यह कैसी लापरवाही?

अपने ही मंडल के अटल चौक के आसपास की गंदगी मण्डल अध्यक्ष को क्या नजर नहीं आई?

- मण्डल अध्यक्ष ने जन्म जयंती पर चुना अन्य गांव का साफ सुथरा अटल चौक
- क्या केवल दिखावे के लिए मनाया गया स्व. अटल बिहारी बाजपेयी का जन्म जयंती अवसर?
- स्व. अटल बिहारी बाजपेयी जी के प्रति श्रद्धा होती तो मण्डल अध्यक्ष अपने मण्डल के अटल चौक के आसपास साफ-सफाई कराते

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

25 दिसम्बर 2022 को देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवम छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की जन्म जयंती जिलेभर के भाजपाइयों ने बड़ी धूमधाम से मनाया। भारतीय जनता पार्टी कोरिया के पटना मंडल अध्यक्ष की लापरवाही खूब देखने को मिली कहने को तो पटना मंडल बना हुआ है पर पटना मंडल का अटल चौक गंदगी से भरा रहा पर इस मंडल के अटल चौक पर मंडल अध्यक्ष ने साफ सुथरा कराकर यहां पर जयंती मनाने की जहमत जरूरी नहीं समझी, जिसे लेकर मंडल अध्यक्ष की फजीहत भी हो रही है, क्या मंडल अध्यक्ष सिर्फ दिखावे के लिए ही राजनीति कर रहे हैं जबकि कहा जाता है कि मंडल अध्यक्ष के बिना मंडल में एक पत्ता भी नहीं हिलता, क्या पटना मंडल अध्यक्ष को पटना मंडल का अटल चौक कार्यक्रम के लिए सही नहीं लगा? क्या यहां कराते तो इन्हें सफाई करनी पड़ती है जो यह करना नहीं चाहते थे?

जिलेभर के अटल चौक भाजपाइयों की उपस्थिति के गवाह बने और सभी जगह लगभग आयोजन किये गए जहां पूर्व प्रधानमंत्री की तस्वीर रखकर उन्हें याद किया गया और राज्य निर्माण सहित उनकी देश को दी गई उपलब्धियों के लिए धन्यवाद दिया गया। कोरिया जिले में भाजपा के शीर्ष नेताओं से लेकर छोटे छोटे कार्यकर्ताओं ने अपने अपने गांव के अटल चौक में उपस्थित होकर आयोजन किया, वहीं यदि बात की जाए कोरिया जिले के भाजपा मण्डल पटना की तो यहां मण्डल अध्यक्ष को स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की जन्म जयंती पर केवल फोटोग्राफी करते कराते ही देखा गया और यह लगा कि उनकी आस्था पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के प्रति कोई खास नहीं है, वह केवल औपचारिकता ही निभाते नजर आए जो उनके ही गांव में बने अटल चौक की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी जी की जन्म जयंती अवसर पर स्थिति को देखकर समझा जा सकता है।

अटल चौक के आसपास की गंदगी की साफ करने या कराने की जहमत मण्डल अध्यक्ष ने नहीं समझी?

मण्डल अध्यक्ष के गांव में जो अटल चौक है वहां 25 दिसंबर के दिन कोई चहल पहल नहीं देखी गई वहीं अटल चौक के आसपास की गंदगी को भी साफ करने या कराने की जहमत मण्डल अध्यक्ष ने नहीं उठाने की कोशिश की और गंदगी आज तक वैसी ही बनी हुई है। मण्डल अध्यक्ष पटना ने स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी जी की जयंती मनाई जरूर लेकिन वह अपने गांव से अन्य गांव जाकर वहां स्थित अटल चौक के कार्यक्रम में शामिल हुए और वहीं की तस्वीरों को उन्होंने साझा भी किया, जबकि उन्हें जिम्मेदार पद पर होने के नाते सबसे पहले अपने मण्डल के अटल चौक की साफ सफाई करानी चाहिए थी और पहले वहीं आयोजन करना था उसके बाद किसी कार्यक्रम में अन्यत्र जाना था।

मण्डल अध्यक्ष से लापरवाही भूलवश हुई यह नहीं माना जा सकता

मण्डल अध्यक्ष की यह लापरवाही भूलवश हुई यह भी नहीं माना जा सकता क्योंकि वह जिस पद पर हैं वह पद भाजपा में जिम्मेदारी वाला पद होता है और इसे बड़ी गलती माना जा सकता है। वैसे मण्डल अध्यक्ष को पार्टी में कार्यवाही का डर बिल्कुल नहीं है क्योंकि ऊपर बैठे लोग उनके पारिवारिक सदस्य हैं जैसा कि बताया जाता है और परिवारवाद में गलतियों को अनदेखा किया जाना आम बात होती है।

पटना मण्डल अध्यक्ष अपने कार्यकाल के दौरान पार्टी के लिए कोई बड़ा उदाहरण प्रस्तुत नहीं कर पाएं

पटना मण्डल अध्यक्ष वैसे भी अपने पूरे कार्यकाल के दौरान पार्टी के लिए कोई बड़ा उदाहरण प्रस्तुत नहीं कर पाएं हैं जो अपेक्षा होती है अध्यक्ष से जबकि विपक्ष में रहते हुए और जिम्मेदारी पूर्ण पद होने के बावजूद उन्हें आक्रामक होने की जरूरत थी और विरोध में अग्रणी दिखना था। मण्डल अध्यक्ष पटना को लेकर यह भी कहा जाता है कि वह किसी तरह समय काट रहें हैं और आने वाले समय मे पार्टी भी किसी ऊर्जावान व्यक्ति को इस पद पर बैठाने के लिए विचार कर रही है क्योंकि पार्टी को भी लगता है कि मण्डल अध्यक्ष में वह बात नहीं है जो विपक्ष में रहते हुए होनी चाहिए।

मण्डल अध्यक्ष खबर प्रकाशित होने के बाद अपने मण्डल के अटल चौक की साफ सफाई कराते हैं या नहीं?

अब वैसे देखने वाली बात यह होगी कि मण्डल अध्यक्ष खबर प्रकाशित होने के बाद अपने गांव के अटल चौक की साफ सफाई कराते हैं या उसके बावजूद भी वहां गंदगी बनी रहती है और चौक केवल नाम का अटल चौक साबित होता रहेगा। भाजपा ने सरकार रहते हुए अटल चौक का निर्माण स्वर्गीय अटल बिहारी जी को याद करने के लिए ही बनवाये थे और इसका मुख्य उद्देश्य भी यह था कि राज्य निर्माण करने में अपनी भूमिका निभाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री को सभी ग्रामवासी याद करते रहें और उनकी जन्म जयंती सहित पुण्यतिथि पर वहां एकत्रित होकर उन्हें श्रद्धांजलि देते रहें।

पटना मण्डल अध्यक्ष ने क्यों अपने ही गांव के अटल चौक को वीरान रहने दिया?

अब मण्डल अध्यक्ष पटना ने क्यों अपने ही गांव के अटल चौक को वीरान रहने दिया क्यों साफ सफाई नही कराई यह तो वही बेहतर बता सकते हैं लेकिन कहने वालों का तस्वीर भेजने वाले का यही कहना है कि मण्डल अध्यक्ष को आयोजन में तस्वीर आने मात्र से मतलब है उन्हें इससे मतलब कभी नहीं रहता कि आयोजन कैसे सफल हो। बड़े नेताओं के आगे पीछे घूमने और शीर्ष नेताओं के साथ अपनी तस्वीर छपवाने का उनका शौक ही है जो उन्होंने अपने गांव के अटल चौक पर ध्यान नही दिया बशर्ते अन्य जगह जाकर तस्वीर खिंचवा ली।

हत्या के आरोपी का उसी के घर मे मिला शव,बसदेई में सनसनी

- संवाददाता -
सूरजपुर, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

हत्या के आरोपी की आज सुबह उसी के घर मे शव मिलने से बसदेई में सनसनी का माहौल रहा।पुलिस ने हत्या का जुर्म दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। जमीन विवाद पर हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही है,पुलिस इस एंगल के अलावे अन्य पहलुओं को भी ध्यान में रख कर तहक़ीक़ात कर रही है। बसदेई में सोमवार की सुबह पुलिस को एक सुने मकान से बदबू आने की सूचना मिली जिस पर बसदेई चौकी प्रभारी बृजेश यादव टीम के साथ मौके पर पँहुचे ओर बाहर से तालाबंद कमरे को खोल कर देखा तो सन्न रह गए।गांव के ही 35 वर्षीय भारत राजवाड़े का शव खून से लथपथ था और शव कम से कम हफ्ते पर पहले का था जिससे वह पूरी तरह सड़ चुका था। सिर आदि कीड़े लगने से खोखला हो गया था।बहरहाल,शव की हालत देख हत्या की आशंका को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की है।एफएसएल,डॉग स्क्वायड आदि की मदद ली जा रही है।हालांकि अब तक कोई सुराग हाथ नही लगा है। पर जांच में यह तथ्य सामने आया है कि आरोपी खुद चोरी से लेकर हत्या तक का आरोपी रहा है।दो हत्याओ का वह आरोपी रहा जो फिलहाल जमानत पर बाहर था।उसकी पत्नी उसे छोड़ कर किसी ओर के साथ घर बसा ली है जिससे वह घर पर अकेले रहता था।बीते 17 दिसंबर से वह लापता था।बताया जा रहा है कि जमीन के मसले को लेकर उसका गांव में ही विवाद था।पुलिस इस एंगल के साथ दूसरे अन्य एंगल को लेकर तहक़ीक़ात शुरू की है।पुलिस को उम्मीद है कि शीघ्र आरोपी की गर्दन नप जाएगी।

अब ग्राम पंचायतों में भी स्वच्छता की नई बयार,दीदियों ने उठाया सफाई का जिम्मा,कचरा कलेक्शन शुरू

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अब स्वच्छता की नई बयार शहरों की तर्ज पर कोरिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रारंभ हो गई है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत यहां स्वच्छता दीदियों के माध्यम से माडल ग्राम पंचायतों में कचरा कलेक्शन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इससे गांव में साफ-सफाई का एक अलग ही माहौल बन रहा है वहीं दूसरी ओर कचरा कलेक्शन कार्य प्रारंभ होने से गांव की महिलाओं को भी एक अलग तरह का कार्य स्वरोजगार की तरह मिलने लगा है। ग्राम पंचायतों मं हो रहे इस कचरा कलेक्शन के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए जिला पंचायत कोरिया की मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्रीमती नम्रता जैन ने बताया कि राज्य के निर्देषानुसार स्वच्छ भारत मिषन ग्रामीण के तहत ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से स्वच्छता के मानक तैयार किए जा रहे हैं इसके तहत ग्रामीण रहवासियों के लिए सबसे पहले पक्के षौचालय बनवाए गए और सार्वजनिक बाजारों में सड़कों के किनारे सामुदायिक षौचालय बनवाए गए हैं। इससे अब कोरिया एंव एमसीबी जिले के 290 ग्राम पंचायतों को एक स्टार रेटिंग प्राप्त हो चुकी है जहां पूरी तरह से तरल अपषिष्ट प्रबंधन होने लगा है। स्वच्छता के लिए निर्धारित चरणों के तहत हर गांव में कचरे के डिस्पोजल के लिए कचरा पेटी बनाई गई हैं साथ ही तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ग्राम पंचायतों में प्रत्येक चालू जल स्रोत के पास सोख्ता गड्ढों का निर्माण कराया गया है। दूसरे चरण के तहत ग्राम पंचायतों में घर घर कचरा कलेक्शन का कार्य भी मानक पंचायतों में प्रारंभ कराया गया है। इसके अच्छे परिणाम देखने में आ रहे हैं। जिन उदीयमान ग्राम पंचायतों में यह सफलतापूर्वक संपन्न होने लगेगा उन्हे आइसी आदि की गतिविधियों के साथ आगामी मॉडल स्तर पर ले जाने का प्रयास किया जाएगा।

कचरा संग्रहण के इस कार्य के बारे में जिला पंचायत सीइओ ने बताया कि कोरिया जिले के जनपद पंचायतों के कुछ ग्राम पंचायतों में यह मॉडल के तौर पर प्रारंभ किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत समूह की महिलाओं को रिक्षा प्रदान किया गया है। इसके माध्यम से दीदीयां घर घर जाकर कचरा ले रही है और उसे कचरा संग्रहण के लिए महात्मा गांधी नरेगा और स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में बनाए गए कचरा प्रबंधन केंद्र में ला रही हैं। बड़ी मात्रा में कचरा एकत्र होने के बाद उसके छंटाई का कार्य करके उसे सही तरीके से डिस्पोज करने की योजना है। वर्तमान मे माडल तौर पर ग्राम पंचायत नगर में दीदीयों के माध्यम से ग्राम पंचायत प्रति सप्ताह दो दिन कचरा कलेक्षन का काम प्रारंभ कराया गया है। इस कार्य में संलग्न प्रिया स्व सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती फूलमती और सचिव श्रीमती रामरत्ती ने बताया कि नगर ग्राम पंचायत के स्कूल पर, ठिहाईपारा, पटेलपारा, हरिजनपारा, कांता चैक सहित अन्य स्थानों से कचरा कलेक्शन का कार्य किया जाता है। सप्ताह में अभी दो दिन सुबह 9 बजे से 12 बजे तक सफाई के तहत कचरा कलेक्षन का काम किया जा रहा है। जिला पंचायत सीइओ ने बताया कि इसी प्रकार बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत पटना में नियमित रूप से तथा ग्राम पंचायत सरभोका, डकईपारा, महोरा आदि में सप्ताह में दो दिन के हिसाब से कचरा कलेक्षन कार्य प्रारंभ कराया गया है। इसके अच्छे परिणाम आ रहे हैं जल्द ही कुछ और बड़ी आबादी वाली ग्राम पंचायतों मे नियमित रूप से ठोस अपषिष्ट प्रबंधन कार्य को प्रारंभ कराने पर प्रारंभिक तैयारी की जा रही है। जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ के ग्राम पंचायत पाराडोल, सोनहत के ग्राम पंचायत घुघरा, खड़गंवा के ग्राम रतनपुर तथा भरतपुर जनपद पंचायत अंतर्गत जनपद पंचायत मुख्यालय की ग्राम पंचायत में भी यह कार्य जल्द प्रारंभ कराए जा रहे हैं। इससे आने वाले समय में कोरिया एवं एमसीबी जिले की अधिकांष ग्राम पंचायतों को अच्छे मानक प्राप्त होंगे और ग्रामीण आबादी भी पूरी स्वच्छता के साथ अपना सामाजिक जीवन जीने को उन्मुक्त होगी।

शहर के बिल्डर ने आरोपों के साथ डॉक्टर साहब को दी बधाई,समाज सेवा को लेकर उठाए सवाल

- चिकित्सक डॉक्टर शर्मा के राजनीतिक प्रवेश को लेकर लगे गंभीर आरोप
- स्मार्ट कार्ड घोटाला,लकड़ी चोरी मामला,बच्चों की बिक्री मामला,सहित कई गंभीर आरोप लगाए गए सोशल मीडिया पर
- डॉक्टर साहब के भाजपा से कोरबा क्षेत्र से लोकसभा प्रत्याशी होने पर भी चुटकियां लेते नजर आए लोग
- कुछ ने लिखा भानुप्रतापपुर उप चुनाव में भाजपा ने जो गलती प्रत्याशी चयन में की क्या वह फिर से उसे दुहराने वाली है?
- कोरोना वैश्विक महामारी के समय भी बिना पात्रता अपने नर्सिंग होम में कोरोना मरीजों के इलाज का लगा था आरोप।
- इलाज के दौरान हुई थी मरीज की मौत,जांच न्यायिक लंबित
- क्या ऐसे ही होते हैं समाज सेवक,जिनपर समाज को ही शोषित करने के लगे हों आरोप?
- शहर के बिल्डर ने सोशल मीडिया पर उठाए हैं सवाल,लगाए हैं आरोप
- शहर के बिल्डर ने आरोपों के साथ डॉक्टर साहब को दी बधाई,समाज सेवा को लेकर उठाए सवाल
- डॉक्टर साहब व बिल्डर के बीच है पनप रहा बहुत बड़ा विरोध, क्या हो सकती है इसकी वजह?

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के जिला मुख्यालय में निजी नर्सिंग होम का संचालन करने वाले बैकुंठपुर शहर के चिकित्सक डॉक्टर राकेश शर्मा ने 25 दिसम्बर को अपना जन्मदिवस मनाया और जन्मदिवस के दिन चूंकि पूर्व प्रधानमंत्री एवम भाजपा के पितृपुरुष स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी का भी जन्म जयंती दिवस था इसलिए उन्होंने उनकी याद में कवि सम्मेलन कराया और इस दौरान उन्होंने अपने नर्सिंग होम में नई सुविधाओं के साथ ऑपरेशन थियेटर का भी शुभारंभ किया। स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की जन्म जयंती पर उन्होंने कवि सम्मेलन कराया और उन्होंने लगभग सभी भाजपा नेताओं सहित कांग्रेस नेताओं को भी इस अवसर पर आमंत्रित किया साथ ही शहर वासियों को भी उन्होंने याद किया।

पूरा कार्यक्रम भव्य रहा और उन्होंने भोज की भी व्यवस्था सभी के लिए की और लगभग उन्होने जिसे भी आमंत्रित किया सभी को कार्यक्रम में शामिल देखा गया और सभी ने कार्यक्रम में शिरकत कर डॉक्टर साहब को जन्मदिवस की बधाई दी वहीं सभी ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के छयाचित्र पर भी श्रद्धासुमन अर्पित किया और उनके जन्म जयंती पर उन्हें याद किया। डॉक्टर साहब का बैनर भी शहर भर में लगा देखा गया जिसमें जन्मदिवस की बधाई लिखी हुई थी और चुन चुनकर भाजपा के नेताओ की फ़ोटो भी बधाई देते छपी देखी गई जो चर्चा का भी विषय रही कि डॉक्टर साहब ने काफी मेहनत की और भाजपा के शीर्ष से अर्श तक के नेताओं को उन्होंने बैनर में जगह दिया और सभी की फ़ोटो इकट्ठा करने में डॉक्टर साहब ने काफी मेहनत की और भाजपा के सभी नेताओं को रिझा पाने में वह कामयाब भी रहे। डॉक्टर साहब ने भाजपा नेताओं के नब्ज को समझा और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की जन्म जयंती जो डॉक्टर साहब का भी जन्मदिवस है के दिन एक भव्य आयोजन किया और उन्हें मालूम था भाजपाई कार्यक्रम से किनारा नहीं कर सकते क्योंकि मामला पार्टी के पितृपुरुष से जुड़ा हुआ है उनके यादों से जुड़ा हुआ है।

Sanjay Agrawal
1h
स्मार्ट कार्ड से करोड़ों का घोटाला, अवैध गर्भपात केंद्र का संचालन, नाबालिक आदिवासी के गर्भपात मामले में उच्च न्यायलय से जमानत में, लकड़ी चोरी में फरारी, बच्चा बिक्री(मानव तस्करी) में महारत, बच्चा चोर की उपमा से अलंकृत, कोरोना में पात्रता ना होते हुए भी मरीज को भर्ती कर उसकी जान लेना (न्यायिक जाँच लंबित) जैसे कई विधाओं में पारंगत....... ऐसी कुर्बानियों के मिशाल..... समाज सेवी..... हार्दिक शुभकामनाएँ .....

क्या आरोपों की लंबी फेहरिस्त वाले बैकुंठपुर के चिकित्सक पर भाजपा लगाएगी दांव?

क्या भाजपा और क्या कांग्रेस सभी दलों के लोग हर्षित मन से कार्यक्रम में शामिल हुए- डॉक्टर साहब ने यह दिन अपने राजनीतिक इक्षा को सामने रखने और भाजपा से भविष्य में प्रत्याशी होने के लिए बेहतर समझा और उन्हें मालूम था भाजपा में स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी की स्वीकार्यता का उनको फायदा मिलेगा और सभी भाजपाई उपस्थित होंगे। डॉक्टर साहब ने अपना काम अपना अरमान इस तरह लोगों के सामने रख दिया कि लोग भी सहर्ष सहज देखे गए और कई तो सुबह से शाम तक के कार्यक्रमों में डटे रहे जैसे डॉक्टर साहब अब भाजपा के नए खेवनहार हो चुके हों। क्या भाजपा क्या कांग्रेस सभी दलों के लोग हर्षित मन से कार्यक्रम में शामिल हुए और डॉक्टर साहब की राजनीतिक इक्षा को जानते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी प्रदान की।

बिल्डर की सोशल मीडिया पोस्ट आयोजन को मिट्टी पलीद करने जैसा

डॉक्टर साहब का आयोजन सफल रहा लेकिन शहर के ही एक बिल्डर ने सोशल मिडीया पर कुछ ऐसा लिख डाला कि सोशल मीडिया डॉक्टर साहब की महिमा बखान करने की बजाए बुराइयां करने लगा और लगभग बिल्डर की पोस्ट पर जितने भी विचार आये डॉक्टर साहब के विरुद्ध आये। कुलमिलाकर डॉक्टर साहब का पूरा आयोजन और बिल्डर की सोशल मीडिया पोस्ट एक साथ देखी जाए तो मिट्टी पलीद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई और सब कुछ मटियामेट नजर आने लगा।

बच्चा चोरी, स्मार्ट कार्ड घोटाला, अवैध गर्भपात केंद्र चलने का डॉक्टर साहब पर लगाया गया आरोप

डॉक्टर साहब पर शहर के बिल्डर ने बच्चा चोरी सहित स्मार्ट कार्ड घोटाला एवम अवैध रूप से गर्भपात केंद्र का संचालन जैसे गंभीर आरोप लगाए और बिल्डर ने लिखा कि स्मार्ट कार्ड में करोड़ों का घोटाला किया, बच्चा चोर की उपमा मिली हुई है वहीं अवैध गर्भपात मामले में डॉक्टर साहब माननीय उच्च न्यायालय से जमानत में चल रहें हैं। बिल्डर के इन गंभीर आरोपों को सोशल मीडिया पर लोगों ने खूब लाइक दिए और कमेंट भी किये जो डॉक्टर साहब के लिए कर्णप्रिय नहीं हो सकते जो सोशल मीडिया पर देखा जा सकता है।

कोरोना मरीज की मौत नर्सिंग होम में जबकि कोरोना मरीज के इलाज की पात्रता नहीं होने का आरोप

शहर के बिल्डर ने डॉक्टर साहब पर यह भी आरोप लगाया कि वह लकड़ी चोरी मामले में फरारी काट चुके हैं वहीं कोरोना संक्रमण के दौरान उन्होंने नियमों साथ ही शासन की नियमों की अनदेखी करते हुए बिना पात्रता नर्सिंग होम में कोरोना मरीज को भर्ती कर उसका इलाज किया और इसी दौरान मरीज की मौत हो गई और मामले में डॉक्टर साहब पर न्यायिक जांच लंबित है। डॉक्टर साहब पर बिल्डर ने जो भी आरोप लगाए हैं सोशल मीडिया पर उन आरोपों को लोगों ने भी सही माना है और कमेंट में स्वीकार किया है।

कुछ ने लिखा भाजपा भानुप्रतापपुर उप चुनाव की गलती नहीं दुहरायेगी

सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने बिल्डर की पोस्ट पर लिखा कि क्या भाजपा भानुप्रतापपुर उप चुनाव की गलती दुहराने वाली है। लोगों ने लिखा कि भानुप्रतापपुर उप चुनाव में भाजपा की हार का कारण उनका प्रत्याशी बना जिसपर गंभीर आरोप थे और डॉक्टर साहब पर भी गंभीर आरोप है ऐसे में यदि लोकसभा चुनाव में डॉक्टर साहब कोरबा लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी होते हैं तो हार सुनिश्चित है यह तय है और भाजपा इतनी बड़ी गलती शायद ही करे।

दुधारू गाय की लात भी मजबूरी

कुछ ने बिल्डर की पोस्ट पर लिखा कि डॉक्टर साहब भाजपा के लिए दुधारू गाय साबित हो सकते हैं इसलिए भाजपा नेताओं की मजबूरी है उनसे जुड़कर रहना इसीलिए उन्हें बैनर पोस्टर के लिए भाजपा नेताओं ने फोटो उपलब्ध कराए जिससे डॉक्टर साहब का आयोजन भाजपाई आयोजन दिख सके और बिना कुछ खर्च किये नेताओं की फ़ोटो जगह जगह छपी नजर आए। कुल मिलाकर दुधारू गाय की लात कहकर भी लोगों ने सोशल मीडिया पर अपने विचार रखे।

बिल्डर ने डॉक्टर साहब को जन्मदिवस की बधाई भी दी

बिल्डर ने डॉक्टर साहब को जन्मदिन की बधाई भी और कटाक्ष करते हुए डॉक्टर साहब को समाजसेवक भी कहा। डॉक्टर साहब और बिल्डर के बीच कुछ अनबन है यह तो पोस्ट से समझ मे आया लेकिन जो लोग पोस्ट में बयान देते नजर आए उनका डॉक्टर साहब से कोई लेना देना नहीं है यह कहा जा सकता है और यदि उनकी बातें समझी जाएं तो डॉक्टर साहब की राजनीतिक यात्रा आरंभ होते ही समाप्त होती नजर आ रही है।

भाजपा नेता की दरियादिली देख फुटबाल खिलाड़ी हुए गदगद

» जनसंपर्क में निकले भाजपा नेता शैलेष शिवहरे से ग्राउंड समतलीकरण की मांग पर त्वरित निराकरण

» बैकुंठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत खुटरापारा का मामला

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जनप्रतिनिधि यदि सजग हो, सहज हो और समस्या का निराकरण तत्काल करने में सक्षम हो तो इससे हर वर्ग को फायदा मिलता है, कुछ ऐसा ही वाकया इन दिनों बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिल रहा है, जहां क्षेत्र भ्रमण कर रहे भाजपा नेता को जैसे ही समस्या मिला उनके द्वारा तत्काल समाधान करने का प्रयास किया जाता है। पिछ्ले दिनों केनापारा में मुक्तिधाम की जमीन का समतलीकरण कराने वाले भाजपा नेता और बैकुंठपुर विधानसभा से इस बार अपनी दावेदारी कर रहे जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने इस बार फुटबाल प्रेमियों की मांग का मौके पर ही निराकरण कर दिया जिसके बाद फुटबाल प्रेमी काफी खुष हैं। जानकारी के तहत पिछ्ले दिनों भाजपा नेता अपने जनसंपर्क दौरे के तहत समीपस्थ ग्राम खुटरापारा पहुंचे थे, यहां पर फुटबाल प्रेमियों ने बतलाया कि उन्हे खेलने के लिए ग्राउंड तो है पर समतलीकरण न होने से परेशानी होती है, ठीक ढंग से खेल नही पाते हैं। मौके पर खिलाड़ियों की समस्याओं को नजरअंदाज किए बिना ही भाजपा नेता ने निजी जेसीबी मंगाया और खड़े रहकर ग्राउंड का समतलीकरण करा दिया। उन्होने खिलाड़ियो का आश्वस्त किया कि उन्हे हर संभव मदद किया जाएगा। भाजपा नेता की इस दरियादिली देखकर वहां मौजूद खिलाड़ी काफी प्रषन्न हुए उन्होने श्री शिवहरे को इसके लिए धन्यवाद दिया। ज्ञात हो कि भाजपा के जिला उपाध्यक्ष शैलेष शिवहरे ने पिछ्ले नगरपालिका चुनाव में अपनी धर्मपत्नी को विषम परिस्थितियों में भी नगरपालिका अध्यक्ष बनवाने में सफलता हासिल की थी, जिसके बाद उनका कद प्रदेष भर में ऊंचा हुआ है, कालरी की नौकरी से इस्तीफा देकर उन्होने राजनीति में पदार्पण किया और पहली बार नगरपालिका अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। एक सामान्य से कार्यकर्ता बतौर काम करते हुए उन्होने आज अपने पीछे कार्यकर्ताओं की फौज खड़ी कर ली है। बैकुंठपुर शहर से लेकर आसपास के क्षेत्र में उनकी पहचान एक मददगार जनसेवक के रूप मे है। फिलहाल वे अपनी दावेदारी पेष करते हुए आए दिन ग्रामीण क्षेत्रों का सघन दौरा कर रहे हैं।

निजात अभियान के अंतर्गत थाना कुसमुंडा क्षेत्र ग्राम अंगावन में चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

- संवाददाता -
कोरबा, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह द्वारा अवैध नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे निजात अभियान के तहत दिनांक 26.12.2022 को पुलिस थाना कुसमुंडा के ग्राम अंता ग्राम भैरो ताल क्षेत्र के लोगों को हमर बेटी हमर मान, साइबर क्राइम, गुड टच बैड टच, की विस्तृत जानकारी देकर नाबालिग बच्चों को गाड़ी न चलाने देने के संबंध मे जानकारी देकर जागरूक किया गया। ग्राम अंता ग्राम भैरो ताल में लोगों को संबोधित करते हुए निजात अभियान के तहत नशे के दुष्प्रभाव के तहत कार्यक्रम आयोजित कर नशे से बचने की सलाह दी गई ।बताया गया के कोरबा पुलिस द्वारा शुरू किया गया निजात अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा ।

कुसमुंडा खदान में चोरी के कोयला से भरा ट्रेलर सहित आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरबा पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह द्वारा औद्योगिक संस्थानों में अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों द्वारा आये दिन किये जा रहे आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता को रोकने एवं अवैध कारोबारियों पर कार्यवाही कर अंकुश लगाने के संबंध में दिये निर्देश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक दर्री रॉबिन्सन गुरिया के मार्गदर्शन पर दिनांक 25.12.2022 को दौरान पतासाजी के मुखबिर सूचना प्राप्त हुआ कि एक 22 चक्का ट्रेलर CG11BE-4137 में अवैध कोयला परिवहन करने कोयला लोड किया गया है, कि प्राप्त सूचना पर म.प्र. आर 384 जलवेश कंवर, प्र.आर 401 अनुज सिंह, आरक्षक 539, 96 के जो उक्त वाहन 22 चक्का ट्रेलर CG11BE-4137 का पीछा कर घटनास्थल टीपर रोड काली मंदिर के पास उक्त वाहन को रोककर तस्दीक कार्यवाही की गई। जो वाहन में सवार 03 व्यक्ति मिले, जिसमें से एक

व्यक्ति दरवाजा खोलकर फरार हो गया तथा दो व्यक्ति मिले जिनसे पूछताछ पर अपना-अपना नाम 01. सरफराज अहमद पिता बसीर अंसारी उम्र 22 वर्ष साकिन निमियाडीह,थाना दूधी नगर जिला सोनभद्र (उत्तर प्रदेश) 02. मोहम्मद शाहिद पिता महबूब अली उम्र 19 वर्ष साकिन दुद्धी नगर थाना दुद्धी नगर जिला सोनभद्र (उत्तर प्रदेश) उपस्थित मिले द्ध जिनसे पूछताछ करने पर कोयला के संबंध में गोल-मोल जवाब दिया जा रहा था द्ध जिससे कोयला चोरी का होने की अंदेशा पर वाहन ट्रेलर को चेक करने कोयला लोड होना पाया गया द्ध जिसके संबंध में पूछताछ व नोटिस देने पर कोई दस्तावेज नही होना बताया द्ध जो उपरोक्त मशरूका चोरी की होने की पूर्ण अंदेशा पर समक्ष गवाहन के एक 22 चक्का ट्रेलर क्रमांक CG11BE-4137 कोयला लोड सहित मय चाबी, उक्त वाहन का आर0सी0 कार्ड जुमला कीमती 21,70,000 रुपये लगभग जब्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपियों के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही कर माननीय न्यायालय कटघोरा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। कुसमुण्डा पुलिस द्वारा अभियान चलाकर अवैध शराब, जुआ सट्टा, डीजल, कबाड़ चोरों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक राजेश जांगडे, म.प्र.आर 384 जलवेश कंवर प्र.आर. 401 अनुज सिंह, आरक्षक पुष्पेन्द्र पटेल, विक्रम नारंग, श्याम गबेल, संजय तिवारी का विशेष भूमिका रही।

इंस्टाग्राम में धमकी लिखा-तू मरेगी.. फिर लड़की का रेता गला

- संवाददाता -
कोरबा, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले में एक युवक ने एक तरफा प्रेम के चलते युवती का चाकू से गला रेत दिया। पहले उसने इंस्टाग्राम में लड़की को गाली देते हुए पोस्ट भी डाली। पोस्ट में लिखा की बोला था ना तू मरेगी, इसके बाद मौका मिलते ही लड़की पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई है। मामला उरगा थाना क्षेत्र का है। जांजगीर जिले के धनपुरी गांव के रहने वाले चंद्रेश कंवर(23) का कोरबा के तुमान गांव में मामा घर है। इस वजह से वह यहां आया जाया करता था। इस बीच उसने डेढ़ साल पहले यहां रहने वाली ऊमा कुमारी(19) को देखा था। इसके बाद से उससे एकतरफा प्रेम करने लगा था। बताया गया कि चंद्रेश ने युवती से अपने दिल की बात भी कही थी, मगर युवती राजी नहीं हुई। उसने लड़के को साफ इनकार कर दिया था कि वह उससे प्रेम नहीं करती है। इसके बावजूद युवक उससे बात करने की कोशिश करता रहता था। जानकारी मिली है कि युवक जब परेशान हो गया, तब वह सालभर पहले लड़की के घर गया था। वहां उसने सबको डरा धमकाकर घर के अंदर बंद कर दिया और घर के बाहर रखे पैरावट में आग लगा दी थी। फिर मौके से भाग निकला था। उस दौरान चिल्ला चिल्ला कर कहा था कि मेरी बात मान जाओ। जानकारी अनुसार रविवार शाम को लड़की जब मड़ई मेला देखने जा रही थी, उसी दौरान चंद्रेश कंवर मौके पर पहुंचा और उसने लड़की की सहेलियों को कहा कि तुम लोग यहां से चले जाओ। फिर चाकू निकालकर लड़की का गला रेत दिया। 12वीं की पढ़ाई के बाद से घर में रह रही युवती घटना के बाद लड़की की सहेलियों ने ही पुलिस को इस घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस को भी इस बात की सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज जांच शुरू की है। युवती का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। फिलहाल आरोपी फरार है। उसकी तलाश जारी है। कहा जा रहा है कि युवक ने 12वीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। वह इधर-उधर धूमता रहता था। वहीं युवती भी 12वीं तक पढ़ाई के बाद से घर पर ही रह रही थी।

यात्रियों को ग्राम घाटबर्रा से तारा निःशुल्क पहुंचाएगी ई-रिक्शा

स्वरोजगार हेतु अदाणी फाउंडेशन की अनुपम पहल , 3000 से अधिक स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में मिलेगा लाभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

उदयपुर तहसील का घाटबर्रा गांव जहां के ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामकाज के लिए आसपास के इलाकों में आने-जाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, वहां ग्रामीणों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए अदाणी फाउंडेशन ने निःशुल्क ई-रिक्शा सेवा की सौगात दी है। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के सामाजिक सरोकारों के तहत ग्रामीणों के आवागमन में हो रही दिक्कतों के समाधान के लिए शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम में अदाणी फाउंडेशन ने ग्राम उद्यमी के समूह को ई-रिक्शा प्रदान करते हुए इसके संचालन की जिम्मेदारी भी सौंपी। इस अवसर पर ग्राम घाटबर्रा के युवा ग्रामीण राम सिंह को रिक्शा चलाने का रोजगार भी उपलब्ध कराया गया। आवागमन के लिए इस निःशुल्क सेवा से दोनों ग्राम पंचायतों तथा आसपास के ग्रामों के तीन हजार से ज्यादा यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा परिवहन के इस विश्वसनीय साधन से समय की भी बचत होगी और यह आपात स्थिति में सहायक भी साबित होगा। इससे पहले भी ग्राम साल्हि से परसा तक के आवागमन के लिए अदाणी फाउंडेशन ने ई-रिक्शा प्रदान किया था, जिसका संचालन भी ग्राम उद्यमी द्वारा किया जा रहा है।

ई -रिक्शा सेवा का उद्घाटन सामाजिक कार्यकर्ता और विधायक प्रतिनिधि श्री सिद्धार्थ सिंहदेव ने ग्राम उद्यमी समूह के प्रतिनिधियों को चाबी प्रदान कर किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत घाटबर्रा के सरपंच श्री जयनंदन पोर्ते, ग्राम पंचायत तारा के उपसरपंच श्री जय सिंह और पंच गण की उपस्थित थे। वहीं, अदाणी इंटरप्राइजेज लिमिटेड के सरगुजा क्लस्टर हेड श्री मनोज कुमार शाही, सरगुजा क्लस्टर एचआर हेड श्री राम द्विवेदी और जीएम-भूमि विभाग श्री संजय श्रीवास्तव ने भी उद्घाटन समारोह में अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सफल बनाया।

अदाणी समूह की सीएसआर शाखा, अदाणी फाउंडेशन, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका संवर्धन और बुनियादी ढांचे के विकास से सम्बन्धित कई कार्यक्रम संचालित करती है। वहीं, आजीविका संवर्धन में स्थानीय शिक्षित युवाओं के कौशल का विकास, विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण के उपरांत स्वरोजगार प्राप्त करने में सहायता प्रदान की जाती है।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल सहित भाजपा नेताओं का 27 से 30 दिसम्बर तक कोरबा जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में दौरा

- संवाददाता -
कोरबा, 26 दिसम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छ.ग. विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यक्रम के तहत दिनांक 27 से 30 दिसम्बर तक कोरबा जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे। श्री नारायण चंदेल अपने इस चार दिवसीय दौरा में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे तथा जनसभाओं को सम्बोधित करेंगे। इस दौरे में भाजपा नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, रायगढ़ सांसद गोमती साय, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव, प्रदेश उपाध्यक्ष लखन देवांगन, पूर्व विधायक मनेंद्रगढ़ श्याम बिहारी जायसवाल सहित भारतीय जनता पार्टी कोरबा जिले के जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह सहित अन्य नेतागण चार दिवसीय दौरे पर रहेंगे । दौरे के प्रथम दिवस 27 दिसंबर को दोपहर 2ः00 पाली तानाखार विधानसभा के पसान मंडल में आम सभा का कार्यक्रम होगा । आम सभा के कार्यक्रम पश्चात हितग्राहियों के घर जाने तथा विधानसभा स्तरीय समन्वय समिति की बैठक भी आयोजित होगी।कार्यक्रम के द्वितीय दिवस 28 दिसंबर को विधानसभा स्तरीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक एवं विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक भी आयोजित की जाएगी । 28 दिसंबर को दोपहर 2ः00 बजे रामपुर विधानसभा के ग्राम कोरकोमा में आम सभा का आयोजन किया जाएगा । दोपहर के बाद रामपुर विधानसभा के विधानसभा स्तरीय जनप्रतिनिधियों की बैठक एवं संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया जाएगा । 29 दिसंबर को रामपुर विधानसभा के दौरा कार्यक्रम में कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की जाएगी ।29 दिसंबर को दोपहर 2:00 हरदीबाजार मंडल के ग्राम रेकी में आम सभा का आयोजन होगा । आम सभा के पश्चात विधानसभा स्तरीय संगठनात्मक बैठक एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन होगा। कार्यक्रम के चतुर्थ एवं अंतिम दिन 30 दिसंबर को विधानसभा स्तरीय समन्वय समिति की बैठक एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ।

कार्यालय नगर पंचायत, लखनपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

E-MAIL-CMOLAKHANPUR@GMAIL.COM WWW.NPLAKHANPUR.IN PHONE-07774-261501

कमांक-1091/स्था./न.पं./2022-2023 लखनपुर, दिनांक : 26/12/2022

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

नगर पंचायत लखनपुर में एकीक्रत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निर्मलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रूपए लाख में)	निविदा डाउनलोड कर जमा करने की अंतिम तिथि
118267	वार्ड क्रं 09 में प्रतिक्षा बस स्टैंड टर्मिनल म 28 नग दुकान निर्माण कार्य।	37.03	25.01.2023

टीप :- 01 उपरोक्त कार्यों की निविदा की समान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ती, निविदा दास्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://cgeprocurement.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
02. विज्ञापन की प्रति cg.uad.gov.in देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा0.) सूरजपुर, जिला -सूरजपुर, (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.../अ-2/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण ग्रामवासी ग्राम-सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती सुन्दरी बाई पति शिवकुमार साहू जाति तेली निवासी ग्राम पम्पापुर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर ने अपने स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि स्थित ग्राम सूरजपुर प.ह.नं. 8 तहसील सूरजपुर खसरा क्रमांक 1007/04 रकबा 0.028 हें भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है। अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 30/12/2022 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/12/2022 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी।

सील
विशेष कर्तव्याधिकारी (रा.)
सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार लटोरी तहसील लटोरी सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 202210262100051 - 21/2022-23

सर्व साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम संजयनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री संजय मण्डल आ0 स्व0 सुशांत वगैरह निवासी ग्राम संजय नगर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर ने अपने शामिल खाते की पुर्नवास विभाग से प्राप्त भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम संजयनगर तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा नंबर 120/1 रकबा 1.59 हे0 भूमि रकबा 1.20 हे0 अर्थात 3 एकड़ भूमि को अनावेदक पिता श्री मनोज अग्रवाल आ0 राम प्रताप अग्रवाल निवासी ग्राम ब्रम्ह रोड अम्बिकापुर जिला सरगुजा के पास 13,00,000/- रूपये में विक्रय करने हेतु सौदा तय हुआ है। जिसमें से अग्रिम राशि 12,00,000/- रूपये प्राप्त कर लिया गया है। आवेदित भूमि शासन से पट्टे पर प्राप्त भूमि है उक्त भूमि के विक्रय करने हेतु अनुमति बावत् आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत करने से जांच कार्यवाही हेतु प्राप्त हुआ है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 16/01/2023 उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगा।

आज दिनांक 25/11/2022 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील
तहसीलदार
लटोरी जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

विश्व का नंबर एक टी 20 बल्लेबाज होना सपने जैसा लगता है

नयी दिल्ली,26 दिसम्बर 2022। भारतीय क्रिकेट की नई सनसनी सूर्यकुमार यादव को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विश्व का नंबर एक खिलाड़ी बनना अब भी सपने जैसा लगता है, लेकिन वह सीमित ओवरों के प्रारूप तक ही सीमित नहीं रहना चाहते हैं और उनकी टेस्ट क्रिकेट में भी अपना जलवा दिखाने दिली तमन्ना है। सूर्यकुमार ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज होने, अगले साल होने वाले विश्वकप और टेस्ट क्रिकेट खेलने की अपनी तमन्ना को लेकर बात की। सूर्यकुमार से साक्षात्कार के अंश इस प्रकार हैंक्ष् प्रश्नः अगर आज से एक साल पहले कहा जाता कि साल के आखिर में आप टी20 क्रिकेट में नंबर एक बल्लेबाज बने रहेंगे, तो क्या आप इस पर विश्वास करते? उत्तरः यह अब भी सपने जैसा लगता है। अगर साल भर पहले किसी ने मुझे टी20 क्रिकेट का नंबर एक बल्लेबाज कहा होता तो मुझे नहीं पता कि मैं कैसे प्रतिक्रिया करता। जब मैंने इस प्रारूप में खेलना शुरू किया तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था और इसके लिए मैंने कड़ी मेहनत की थी। प्रश्नः अब प्राथमिकता 2023 में होने वाला वनडे विश्व कप होगा, तो क्या आप 50 ओवरों के प्रारूप के लिए अपने खेल में बदलाव करेंगे? उत्तरः जब मैं किसी प्रारूप में खेल रहा होता हूं तो उसके बारे में बहुत नहीं सोचता, क्योंकि मैं जब भी बल्लेबाजी के लिए जाता हूं तो उसका भरपूर आनंद लेता हूं। मैं यही सोचता हूं कि जब भी मैं क्रीज पर जाऊं तो मैच में पासा पलटने वाला प्रदर्शन करूं। मुझे बल्लेबाजी करना पसंद है फिर चाहे वह टी20, वनडे या रणजी ट्रॉफी कुछ भी हो। प्रश्नः क्या आपको ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की उम्मीद है? उत्तरः मैंने लाल गेंद से आयु वर्ग के राष्ट्रीय स्तर पर खेलना शुरू किया, इसलिए इसका उत्तर इसी में निहित है। पांच दिवसीय मैचों में आपके सामने पेचीदा लेकिन रोमांचक परिस्थितियां होती हैं और आप चुनौती का सामना करना चाहते हैं। हां, यदि मुझे मौका मिलता है तो मैं तैयार हूं।'' प्रश्नः कौशल सीखा जा सकता है लेकिन किसी खिलाड़ी को उच्च स्तर पर खेलने के लिए मानसिक रूप से कैसे तैयार करना चाहिए? उत्तरः मैं यही कहूंगा कि यह कभी असंभव नहीं होता है लेकिन निश्चित तौर पर मुश्किल होता है। इसके लिए आपका रवैया अच्छा होना चाहिए। मैं अधिक अभ्यास करने के बजाय बेहतर अभ्यास करने पर ध्यान देता हूं। मैंने और मेरे परिवार ने काफी बलिदान दिए हैं। भारत की तरफ से पदार्पण करने से पहले मैं 10 साल तक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलता रहा हूं।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में आपको काफी चीजें सीखने को मिलती हैं और इसलिए जब आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं और भिन्न तरह के गेंदबाजों का सामना करते हैं तो फिर आपको केवल खुद को अभिव्यक्त करने की जरूरत होती है। प्रश्नः पिछले कुछ वर्षों से घरेलू स्तर पर और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद राष्ट्रीय टीम में चयन नहीं होने पर क्या आपको निराशा होती थी या गुस्सा आता था? उत्तरः मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं खीझ जाता था लेकिन हमेशा मैं यह सोचता था कि अगले स्तर पर जाने के लिए अलग से क्या करना होगा। इसलिए मैंने कड़ी मेहनत करना जारी रखा और आपको इसके साथ ही अपने खेल का भी आनंद लेना होता है। आप इसीलिए क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं।

मैं जानता था कि अगर मैं परिणाम पर ध्यान न दूं और अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करूं तो मैं किसी दिन राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में सफल रहूंगा। प्रश्नः क्या आप हमें अपनी 360 डिग्री तकनीक के बारे में कुछ बता सकते हैं? उत्तरः यह दिलचस्प कहानी है। मेरे स्कूल और कॉलेज के दिनों में मैंने रबड़ की गेंद से काफी क्रिकेट खेली। सीमेंट की कड़ी पिचों पर और बारिश के दिनों में 15 गज की दूरी से की गई गेंद तेजी से आती थी तथा यदि लेग साइड की बाउंड्री 95 गज होती थी तो ऑफ साइड की 25 से 30 गज ही होती थी। इसलिए ऑफ साइड की बाउंड्री बचाने के लिए अधिकतर गेंदबाज मेरे शरीर को निशाना बनाकर गेंदबाजी करते थे। ऐसे में मैंने कलाइयों का इस्तेमाल करना, पुल करना और अपर कट लगाना सीखा।

मैंने नेट पर कभी इसका अभ्यास नहीं किया। प्रश्नः विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ आपके संबंध कैसे हैं? उत्तरः मैं वास्तव में बेहद भाग्यशाली हूं जो विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ खेल रहा हूं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दिग्गज सितारे हैं। उन्होंने जो कुछ हासिल किया है मैं नहीं जानता कि कभी मैं उसे हासिल कर पाऊंगा या नहीं। हाल में मैंने विराट भाई के साथ कुछ अच्छी साझेदारियां निभाई और मैंने उनके साथ बल्लेबाजी करने का आनंद लिया। प्रश्नः क्या आप अपने करियर में मुंबई इंडियंस और आपकी पत्नी देवीशा के योगदान के बारे में बताएंगे? उत्तरः मेरी जिंदगी और क्रिकेट यात्रा में दो स्तंभ हैं - मुंबई इंडियंस और मेरी पत्नी देवीशा। पहले मैं मुंबई इंडियंस के योगदान पर बात करूंगा। जब मैं 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स को छोड़कर यहां आया था तो मैं शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी के मौके पर ध्यान दे रहा था और मेरे कहे बिना ही टीम प्रबंधन ने मुझ पर भरोसा दिखा कर मुझे यह जिम्मेदारी सौंप दी थी। मैंने 2016 में देवीशा से शादी की और जब मैं मुंबई इंडियन से जुड़ा तो हम दोनों ने अगले स्तर पर जाने के लिए क्या करना चाहिए इसके बारे में सोचना शुरू किया। मुझे जब भी उनकी जरूरत पड़ी तो वह मेरे साथ खड़ी रही। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं जिस तरह का संतुलन चाहता था देवीशा ने मुझे वह मुहैया कराया।

सेलेक्टर बनते ही एक्शन में शाहिद अफरीदी

» रिजवान प्लेइंग से बाहर,

» इस दिग्गज कप्तान की हुई वापसी

लाहौर , 26 दिसम्बर 2022। पाकिस्तान क्रिकेट कई बड़े बदलाव से गुजर रहा है। हाल में ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष पद से रमीज राजा को हटा दिया गया था। रमीज राजा की जगह नजम सेठी को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी शाहिद अफरीदी को अंतरिम मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही शाहिद अफरीदी अब एक्शन में दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला खेली जा रही है। पहले ही टेस्ट में बड़ा बदलाव हो गया है। पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को टीम में शामिल किया गया है। 2018 के बाद सरफराज अहमद को टीम में शामिल किया गया है।

हालांकि, हाल में ही इंग्लैंड के खिलाफ संपन्न हुई टेस्ट श्रृंखला में भी सरफराज अहमद को टीम में शामिल किए जाने की मांग उठी थी। लेकिन मोहम्मद रिजवान को ही वरीयता दी गई। हालांकि, शाहिद

अफरीदी के चयनकर्ता बनने के साथ ही मोहम्मद रिजवान की जगह टीम में सरफराज अहमद को शामिल किया गया है। सरफराज के अलावा तेज गेंदबाज मीर हमजा और सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक की भी टीम में वापसी हुई है। आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की टीम 2003 के बाद पहली बार पाकिस्तान का दौरा कर रही है। सरफराज अहमद पाकिस्तान के सफल कप्तानों में आते हैं। उन्हीं की कप्तानी में पाकिस्तान ने 2017 में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी में हराया था।

हालांकि, मोहम्मद रिजवान पाकिस्तान के बेहतरीन खिलाड़ी माने जाते हैं। लेकिन टेस्ट मुकाबले में उनका प्रदर्शन ठीक नहीं रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ हाल में ही तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में मोहम्मद रिजवान का बल्ला काफी खामोश रहा। वहीं, सरफराज अहमद को 4 साल बाद टेस्ट खेलने का मौका मिल रहा है सरफराज अहमद 35 साल के हैं। 49 टेस्ट मुकाबलों में उनका औसत 36 कर रहा है। इसमें 3 शतक और 18 अर्धशतक भी शामिल है। वह शानदार विकेटकीपर भी हैं। इसके अलावा उनके पास अनुभव भी है।

ऑस्ट्रेलिया के वर्ष के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर पुरस्कार को मिला शेन वार्न का नाम

मेलबर्न , 26 दिसम्बर 2022। ऑस्ट्रेलिया में पुरुष क्रिकेटरों को मिलने वाले वर्ष के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार का नाम दिग्गज लेग स्पिनर शेन वार्न के नाम पर रखा गया है. क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने सोमवार को यह घोषणा की.

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पुरस्कारों के पुरुष वर्ग में शेन वार्न वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर का पुरस्कार हर साल दिया जाएगा. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन के सीईओ टॉड ग्रीनबर ने दक्षिण अफ्रीका के

खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दौरान यह घोषणा की. वार्न का इस साल के शुरू में थाईलैंड में निधन हो गया था. क्रिकेट.कॉम.एयू के अनुसार हॉकले ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक शेन वार्न के टेस्ट क्रिकेट में असाधारण योगदान को याद करने के लिए यह उचित होगा कि इस पुरस्कार का नामकरण उनके नाम पर किया जाए. वार्न ने 2005 में 40 विकेट हासिल करने के लिए 2006 में स्वयं यह पुरस्कार हासिल किया था. ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पुरस्कारों की घोषणा 30 जनवरी को की जाएगी.

मिकी ऑर्थर होंगे पाकिस्तान के हेड कोच

नयी दिल्ली,26 दिसम्बर 2022। . पाकिस्तान क्रिकेट टीम के नए कोच साउथ अफ्रीका के मिकी ऑर्थर होंगे यह लगभग तय हो चुका है. पीसीबी का चेयरमैन बनते ही नजम सेठी ने मिकी ऑर्थर को हेड कोच का ऑफर दिया था. पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक, आर्थर ने यह प्रस्ताव मंजूर कर लिया है. वह अभी इंग्लैंड की कांउटी टीम डर्बीशायर के साथ काम कर रहे हैं. पाकिस्ेतान के मौजूदा हेड कोच सकलैन मुश्ेताक का पीसीबी से अनुबंध फरवरी तक है. माना जा रहा है इसके बाद मिकी ऑर्थर टीम के साथ जुड़ जाएंगे.

पाकिस्तान टीम के साथ मिकी ऑर्थर का ये दूसरा कार्यकाल होगा. नजम सेठी ने ही पीसीबी चेयरमैन रहते हुए पहली बार ऑर्थर को टीम का हेड कोच बनाया था. वह मई 2016 से 2019 तक टीम के साथ रहे. उनके वक्त में पाकिस्ेतान टीम ने टेस्ट और वनडे में नंबर वन रैंकिंग हासिल की थी. ऑर्थर के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्ध 2017 में भारत को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीतना रही थी. उस वक्त टीम के कप्तान सरफराज अहमद थे. लंबे अरसे बाद सरफराज की भी टेस्ट टीम में वापसी

हो चुकी है. न्यूजीलैंड के खिलाफ कराची में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में मोहम्मद रिजवान की जगह सरफराज को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है.

मिकी ऑर्थर के पहले कार्यकाल में उन पर पाकिस्तान टीम में फूट डालने का आरोप लगा था. पूर्व क्रिकेटर अब्दुल कादिर ने एक्सप्रेस न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा था, मिकी आर्थर ने पाकिस्तान टीम को बर्बाद कर दिया है. उन्होंने मिकी पर अहमद शहजाद, उमर अकमल, सलमान बट जैसे सीनियर खिलाड़ियों को एक साथ टीम से बाहर करने का आरोप लगाया था. इसके अलावा, ऑर्थर की टीम के कुछ खिलाड़ियों से खटपट की खबरें भी चर्चा में रही थीं.

पीसीबी चेयरमैन नजम सेठी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मेरा हमेशा से ये मानना रहा है कि नेशनल टीम के लिए हमें विदेशी कोच चाहिए, पाकिस्ेतानी स्टार नहीं. कोचिंग प्रोफेशनल बिजनेस है और हमारे पास कोई क्वालीफाइड कोच नहीं है, अलबत्ता स्टार जरूर मौजूद हैं. ये 2 अलग-अलग चीजें हैं. उन्ेहोंने कहा, पीसीबी चेयरमैन रहते हुए मैंने मिकी आर्थर के साथ 4-5 विदेशी कोच को टीम से जोड़ा था. इसके नतीजे भी मिले. विदेशी कोच दोस्ती यारी नहीं देखते हैं और हमारे कल्चर में यह चीज हद से ज्ेयादा है.

कोलन कैंसर से जूझ रहे फुटबॉलर पेले

अर्जेन्टाईना ,26 दिसम्बर 2022। फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी और ब्राजील के फुटबॉलर पेले इन दिनों अस्पताल में कैंसर से जंग लड़ रहे है। उनके स्वास्थ्य अपडेट के मुताबिक 82 वर्षीय फुटबॉलर लगातार कैंसर से जारी जंग को हारते जा रहे है। दिग्गज फुटबॉलर का इलाज अल्बर्ट एंस्टीन अस्पताल में किया जा रहा है।

यहां डॉक्टरों की स्पेशल ऑब्जर्वेशन में उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक उनकी कीमोथेरेपी जारी है मगर इसका खास असर देखने को नहीं मिला है। बीते कुछ दिनों में पेले की सेहत में गिरावट हो रही है। उनके शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया है।

ताजा अपडेट के मुताबिक पेले की हालत काफी नाजुक है। इसी बीच उनका परिवार भी अल्बर्ट एंस्टीन अस्पताल में मौजूद है। बता दें कि दिग्गज खिलाड़ी 30 नवंबर से अस्पताल में भर्ती है मगर उनकी हालत लगातार गिरती जा रही है।

जानकारी के मुताबिक पेले को कोलोन कैंसर होने की जानकारी सितंबर 2021 में मिली थी। बीते एक वर्ष के दौरान पेले की हालत काफी नाजुक हो गई है। अब उनकी सेहत लगातार गिरती जा रही है। जानकारी के मुताबिक कैंसर के कारण उनकी किडनी और गुर्दे पर भी असर हुआ है।

फुटबॉल के बेताज बादशाह हैं पेले

फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी पेले इस खेल के बेताज बादशाह माने जाते है। फुटबॉल का भगवान माने जाने वाले पेले की सेहत को लेकर दुनिया भर के फुटबॉल फैंस को चिंता है। बता दें कि पेले ने फुटबॉल खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर में फारवर्ड में खेला है। सिर्फ यही नहीं फीफा भी पेले को महान खिलाड़ियों की सूची में शामिल कर चुकी है।

कर्नाटक एलीट ग्रूप मुकाबले में गोवा से भिड़ेगा

नयी दिल्ली,26 दिसम्बर 2022।आत्मविश्वास से लबरेज कर्नाटक आज से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी एलीट सी ग्रूप मुकाबले में गोवा के खिलाफ अधिकतम अंक किया है। जमशेदपुर में कुछ दिन पहले गोवा झारखंड के खिलाफ पहली पारी की बढ़त लेने से चूक गया था। कप्तान दर्शन मिसल और विकेटकीपर-बल्लेबाज एकनाथ केरकर ने झारखंड

हासिल करने का प्रयास करेगा। बेंगलुरु में पांडिचेरी पर एक पारी की जीत के बाद कर्नाटक इस स्थिरता में प्रवेश करता है। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में कर्नाटक का दबदबा तीन दिनों के भीतर खत्म हो गया।दूसरी ओर, गोवा ने अपने पिछले दो मैचों में ड्रॉ दर्ज को 386 के कुल योग के करीब पहुंचाने के लिए अर्धशतक बनाए, लेकिन अंत में 24 रन कम रह गए। इसके बाद झारखंड ने एकमुश्त जीत के लिए जोर लगाने की घोषणा की, और गोवा ड्रॉ पर कब्जा करने में सफल रहा।

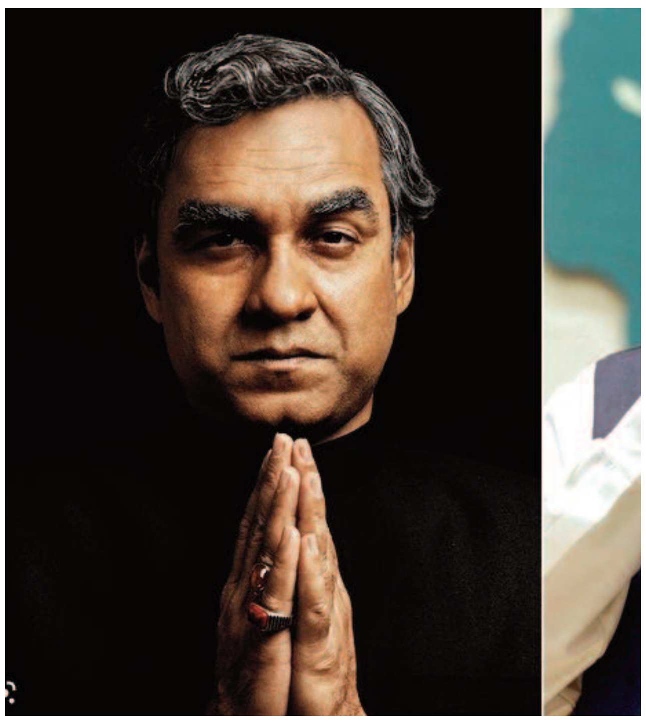

वाजपेयी की बायोपिक मैं अटल हूं से पंकज त्रिपाठी की पहली तस्वीर,हूबहू दिखे अटल जैसे

इस साल जून में देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की बायोपिक मैं अटल हूं का ऐलान किया गया था। फिल्म की घोषणा के साथ ही दर्शक यह जानने के लिए उत्साहित थे कि अटल की भूमिका में कौन सा कलाकार नजर आएगा। इसके बाद नवंबर में खबर आई कि इस भूमिका को पंकज त्रिपाठी निभाएंगे। अब 25 दिसंबर को यानी अटल की जयंती के मौके पर फिल्म से पंकज का पहला लुक भी सामने आ गया है।

पंकज त्रिपाठी ने इंस्टाग्राम पर करीब एक मिनट तीन सेकेंड का वीडियो शेयर किया है जिसमें वह अटल के अलग-अलग लुक में नजर आ रहे हैं। इसमें अटल के व्यक्तित्व के भी अलग-अलग पहलुओं का जिक्र किया गया है। टीजर में अटल को एक प्रधानमंत्री, एक कवि, एक राजनेता और एक बेहतरीन व्यक्ति के तौर पर दिखाया गया है। इन सभी तस्वीरों में पंकज अटल से काफी मिलते-जुलते नजर आ रहे हैं। अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए पंकज ने लिखा, अटल जी के व्यक्तित्व को पर्दे पर साकार करने के लिए मुझे संयम से मेरे व्यक्तित्व पर काम करना जरूरी है, यह मैं जानता हूं। स्फूर्ति और मनोबल के आधार से मैं नई भूमिका को न्याय दे सकूंगा, यह अटल विश्वास मुझे है। फिल्म अगले साल दिसंबर में रिलीज होगी। इसका निर्देशन रवि जाधव करेंगे। वहीं इसका निर्माण विनोद भानुशाली, संदीप सिंह, सैम खान, विशाल गुरनानी और कमलेश भानुशाली कर रहे हैं। यह फिल्म उल्लेख एनपी की किताब द अनटोल्ड वाजपेयीः पॉलिटिशियन एंड पैराडॉक्स पर आधारित होगी। इसमें अटल के बचपन से लेकर उनके राजनेता बनने तक के सफर को फिल्माया जाएगा। मेकर्स उनकी जिंदगी से जुड़ी कुछ अनकही कहानियों को फिल्म में शामिल करेंगे। राजनीति के साथ-साथ मनोरंजन जगत के दर्शकों को अटल की बायोपिक का इंतजार है। अगले साल की शुरुआत में इसकी शूटिंग शुरू होगी। फिल्म को अगले साल अटल की जयंती पर रिलीज किया जाएगा। अटल भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ उनका जुड़ाव रहा। 1996 में वह भारत के प्रधानमंत्री बने थे। हालांकि, अन्य दलों ने जब भाजपा से अपना समर्थन वापस ले लिया, तो 13 दिनों के भीतर उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। फिर वह 1998 और 1999 में भी दूसरे और तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के पद पर काबिज हुए। 2018 में 93 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया था। इंदिरा गांधी पर आधारित कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी भी चर्चा में है। इस फिल्म में अभिनेता श्रेयस तलपड़े युवा अटल बिहारी वाजपेयी के किरदार में नजर आएंगे। वायपेयी के किरदार में उनका लुक भी जारी हो चुका है।

अभिनेत्री आयशा झुल्का को याद आए अपने पुराने दिन

बॉलीवुड अभिनेत्री आयशा जुल्का, जो अपनी फिल्म 'जो जीता वही सिकंदर' के लिए जानी जाती हैं, हाल ही में वह अभिनेत्री नीलम कोठारी के साथ एक सिंगिंग रियलिटी शो में दिखाई दीं। जहां दोनों ने प्रतियोगियों के प्रदर्शन का आनंद लिया और अपने पुराने दिनों को याद किया। रियलिटी शो के दौरान सोनाक्षी ने वादा रहा सनम गाना गया। इस गाने को सुनकर अभिनेत्री

काफी खुश हुई। दरअसल रोमाटिक ट्रैक असल में अक्षय कुमार और आयशा पर फीचर किया गया था, इसे मूल रूप से अलका याग्निक और अभिजीत भट्टाचार्य ने गाया था।1992 में आई फिल्म 'खिलाड़ी' के इस गाने की शूटिंग को याद करते हुए आयशा ने कहा, मैं सोनाक्षी से यह सुनने के लिए आभारी हूं, जिसे बहुत खूबसूरती से गाया गया है। यह गीत बहुत सारी यादों में वापस ले जाता है।

आगे अभिनेत्री ने कहा, मैं भावुक हो जाती हूं, अगर मैं उन सभी यादों को याद करती हूं क्योंकि इस गाने को 30 साल हो गए हैं, तो मुझे कहना होगा कि समय इतनी जल्दी निकल जाता है। काश हम उन दिनों में वापस जा पाते।

यो यो हनी सिंह ने मौनी रॉय के साथ पार्टी ट्रैक सॉन्ग गतिविधि किया रिलीज

रैपर यो यो हनी सिंह काफी दिनों से खबरों में बने हुए हैं। सबसे पहले वह ज्यादा वजन बढ़ने को लेकर सुर्खियां में थे और अब अपने नए गाने गतिविधि को लेकर चर्चा में बने हुए है, इसमें एक्ट्रेस मौनी रॉय भी हैं। यह गाना एक पार्टी सॉन्ग है और साल के इस समय के लिए सबसे उपयुक्त है। गाने के बारे में बात करते हुए हनी सिंह ने कहाः जैसा कि नाम से पता चलता है, गतिविधि एक हिप पार्टी सॉन्ग होने वाला है और वीडियो में मौनी रॉय के कातिल अदाओं ने गाने को अगले स्तर तक पहुंचा दिया है। वीडियो किलर है और मैं लोगों द्वारा गतिविधि देखने और सुनने का इंतजार नहीं कर सकता।

गाने में म्यूजिक कहीं न कहीं हनी सिंह के एक और गाने मनाली ट्रान्स की याद दिलाता है। गाने के विजुअल्स में हनी और मौनी अंडरग्राउंड सेट-अप में गाने की बीट्स पर थिरकते हुए दिखाई दे रहे हैं। मौनी रॉय ने कहा, यह साल के इस समय के लिए एकदम सही गाना है।

साल के अंत में एक धमाकेदार सॉन्ग के साथ जश्न मनाने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है। यह गाना यो! यो! और नमोह स्टूडियोज के साथ पूरा हो पाया है। गतिविधि सभी प्रमुख म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

नीट के स्ट्रे राउंड में आरक्षण नहीं देने की याचिका पर हुई सुनवाई

बिलासपुर,26 दिसम्बर 2022(ए)।
हाईकोर्ट ने छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए छुट्टी वाले दिन रविवार को एक याचिका में सुनवाई की है। याचिका नीट एंट्रेंस एग्जाम को पास कर चुके छात्रों के एडमिशन से जुड़ा है। इसमें एमआईसी और डीसीसी ने परीक्षा पास कर चुके छात्रों को मेरिट के आधार पर 25 दिसंबर तक एडमिशन के लिए कहा था, लेकिन कुछ छात्रों ने आपत्ति जताई कि जो मेरिट लिस्ट तैयार की गई है उसमें आरक्षण के नियमों का पालन नहीं किया गया। लिहाजा अब हाईकोर्ट ने मेडिकल काउंसिलिंग कमेटी समेत डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया डेन्टल कौंसिल ऑफ इंडिया समेत राज्य शासन से 2 जनवरी तक मामले में जवाब मांगा है।

आरक्षित वर्ग के स्टूडेंट हुए वंचित

दरअसल, इस राउंड में आरक्षण नहीं देने के कारण प्रदेश के आरक्षित वर्ग के स्टूडेंट एडमिशन से वंचित हो गए हैं, जिन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट देने वाले स्टूडेंट्स के लिए मेडिकल कॉलेज और डेंटल कॉलेजों की बची हुई सीटों पर एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है। NEET ने स्ट्रे वैकेंसी राउंड के फाइनल नतीजे जारी कर दिए गए हैं। ये रिजल्ट मेडिकल काउंसिल कमेटी ने रिलीज किया है। लेकिन, इसमें आरक्षण नियमों का

पालन नहीं किया गया है और मेरिट लिस्ट के आधार पर सूची जारी की गई है, जिसे चुनौती देते हुए रायगढ़ के स्टूडेंट राजेंद्र साव और धमतरी के मयंक देवांगन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

अर्जेंट हियरिंग की मांग पर क्रिसमस को खुला कोर्ट

स्टूडेंट्स के एडवोकेट ने उनके भविष्य और एडमिशन को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से आग्रह किया था कि इस केस की अर्जेंट सुनवाई की जाए, जिस पर जस्टिस एनके व्यास और जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की डिवीजन बेंच गठित कर रविवार को अवकाश के दिन हाईकोर्ट खुल गया और उन्होंने केस की सुनवाई की।

2 जनवरी तक देना है जवाब

याचिका में बताया गया कि स्ट्रे राउंड के लिए डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन ने 21 दिसंबर को नोटिफिकेशन जारी किया है, जिसमें 25 दिसंबर तक रिक्त सीटों पर स्टूडेंट्स को सीधे एडमिशन के लिए आवेदनपत्र जमा करना था। याचिकाकर्ता छात्रों का कहना है कि जारी लिस्ट में आरक्षण नियम लागू नहीं किया गया है, जिसके कारण उनका नाम ही लिस्ट में नहीं है। आरक्षण रोस्टर लागू होता, तो उनका एडमिशन होने का चांस रहता। डिवीजन बेंच ने उनके वकील के तर्कों को सुनने के बाद मेडिकल काउंसिल कमेटी, डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया और राज्य शासन के डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन को नोटिस जारी कर दो जनवरी तक जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

दौरे से 15 दिन पहले ही दिल्ली से आए शख्स ने बता दिया था सब कुछ

» **अज्ञात शख्स ने राजधानी के खास लोगों से गुप्त बैठक कर हर तरह की जानकारी जुटाकर हुए थे रवाना,**

» **पार्टी संगठन,मंत्री मंडल के अंदर-बहार की जानकारी ले कर ही सेलजा ने की सरकार की तारीफ**

रायपुर ,26 दिसम्बर 2022(ए)।
छत्तीसगढ़ कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी सेलजा ने यूं ही मिडिया से नहीं कहा कि 4 साल में कांग्रेस सरकार ने बेहतर काम किए। दरअसल सेलजा ने प्रदेश की भूपेश सरकार और जनहितकारी योजन से लेकर संगठन की हर अपडेट 15 दिन पहले ही हासिल कर ली थी। उन्हें यह बारीक़ जानकारियां उनके दौरे से 15 पूर्व ही उनके सबसे विश्वासपात्र ने जुटाकर दिया।
पार्टी सूत्रों की मानें तो वरिष्ठता से लेकर कार्यशैली में काफी तेज़तर्राट मानी जाती हैं कुमारी सेलजा। उन्होंने ख़ुफ़िया तौर पर एक को दिल्ली से छत्तीसगढ़ भेजा था। उस शख्स ने भी पत्रकारों, राजधानी के रसूखदारों, व्यापारियों, और प्रदेश सरकार की योजनाओं से लेकर संगठन की हर जानकारी जुटाई और रायपुर प्रवास से पूर्व ही नई प्रभारी को रिपोर्ट बनाकर सौंप दिया।
सरकार के कामकाज और सीएम भूपेश को लेकर तो नई प्रभारी संतुष्ट हैं लेकिन संगठन और चंद मंत्रियों को लेकर वे खुद जानना चाहेंगी। आने वाले वक्त में कुमारी सेलजा की बैठकों में सब समझ आएगा कि वे सब कुछ ठीक कैसे करेंगी।
उन्होंने रायपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का असर पूरे देश में दिख रहा है। छत्तीसगढ़ में चार साल हमारी सरकार ने बेहतरीन काम किए हैं। यहां के लोगों को अपनी पहचान दी गई है। पिछले सरकार के भ्रष्टाचार को खत्म किया गया है।
सेलजा ने लीं दो बड़ी बैठकें
नई प्रभारी कुमारी शैलजा आज सुबह 10 बजे से राजीव भवन में दो बड़ी बैठकें लीं। इन बैठकों के बाद वे अधिवेशन के लिए चल रही तैयारियों का जायजा भी लीं। बताया जा रहा है कि वे सेवाग्राम आश्रम और मेला मैदान जा सकती हैं।
पहली बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के सभी 41 सदस्य, 36 संगठन जिला अध्यक्ष और सभी मोर्चा प्रकोष्ठों के अध्यक्ष शामिल होंगे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हर जिले में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा को सफल बनाने की रूपरेखा तय करना है।
दूसरी बैठक में प्रदेश के सभी 307 ब्लाक अध्यक्षों शामिल होंगे। शैलजा के अलावा प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम भी बैठक में रहेंगे। ब्लाक स्तर पर संगठन की क्या स्थिति है, क्या चुनौतियां हैं इन सब विषयों पर चर्चा होगी।

कौन है विधिक सलाहकार ?

आरक्षण बिल पर हस्ताक्षर में देरी को लेकर सीएम के तल्ख तेवर

रायपुर ,26 दिसम्बर 2022(ए)। कौन है विधिक सलाहकार जो विधानसभा भी बड़ा हो गया ? आरक्षण बिल में हस्ताक्षर पर हो रही देरी को लेकर मुख्यमंत्री ने तीखी नाराजगी जतायी है।

जनवरी को कांग्रेस महारैली

रायपुर में कांग्रेस भवन में हुई विस्तारित कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक में आरक्षण को लेकर भी लंबी चर्चा हुई। बैठक में इस बात का निर्णय लिया गया है कि आरक्षण बिल को लेकर 3 जनवरी को कांग्रेस महारैली करेगी। प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा की अध्यक्षता में हुई बैठक में आरक्षण में हो रही देरी और कांग्रेस की रणनीति को लेकर लंबी चर्चा हुई।
बैठक के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, राज्यपाल ने पहले 10 सवाल भेजे थे, जो उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं था, बावजूद प्रदेश के युवाओं के हित में हमने जवाब भेजवाया, अब नया दांव चला जा रहा है कि उसका परीक्षण किया जायेगा। तो क्या विधिक सलाहकार विधानसभा से भी बड़े हो गये हैं। विधानसभा में जो पास हो गया, उसका भी परीक्षण करायेंगे अब? हम तो ढूंढ रहे हैं कौंन हैं वो विधिक सलाहकार जो ऐसी सलाह दे रहे हैं? तो हम विधिक सलाहकार को ही पकड़ लेते?
राज्य सरकार ने ये जानकारी दी थी कि जिन 10 बिंदुओं पर राजभवन ने जवाब मांगा है, वो जवाब भेज दिये गये हैं, अब राज्यपाल को हस्ताक्षर में देरी नहीं करनी चाहिये। लेकिन अब ये नयी बात आ रही है कि उसका परीक्षण कराया जायेगा।

चार स्तरीय वेतनमान की मांग पर छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने लिखा स्वास्थ्य मंत्री को खत

रायपुर ,26 दिसम्बर 2022(ए)।
छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने सरकारी कर्मचारियों को चार स्तरीय वेतनमान का लाभ देने स्वास्थ्य मंत्री व घोषणा पत्र समिति के चेयरमैन रहे टीएस सिंहदेव को पत्र लिखा है।

वेतनमान सहित अन्य कई संदर्भों में सिंहदेव के साथ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल की इसी महीने सिंहदेव के साथ मुलाकात की है। चार स्तरीय वेतनमान को लेकर कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने बताया कि अभी प्रदेश में शासकीय कर्मचारियों को तीन स्तरीय वेतनमान मिलता है। लेकिन, राज्य के कर्मचारी को चार स्तरीय वेतनमान की मांग कर रहे हैं। चार स्तरीय वेतनमान के संदर्भ में कहा गया है कि 8 साल, 16 साल, 24 साल और 30 साल की सेवा करने पर अलग-अलग स्तर का वेतनमान निर्धारित होना होता है। अगर किसी कर्मचारी या अधिकारी का सेवाकाल में प्रमोशन नहीं होता है, तो चार स्तरीय वेतनमान के जरिये उनके आर्थिक नुकसान की भरपाई हो जायेगी।
फेडरेशन की मानें तो प्रदेश में कर्मचारियों को समय पर प्रमोशन का लाभ नहीं मिल पाता है। प्रमोशन के दौरान कई दफा ऐसी पेचिदगियां हो जाती है, कि पदोन्नति नहीं मिल पाती। लिहाजा उन कर्मचारियों के लिए चार स्तरीय वेतनमान काफी लाभप्रद साबित को सकता है।

केटीयू की ये परीक्षाएं हुईं रद्द

क्या लिखा है रजिस्ट्रार द्वारा जारी नोटिफिकेशन में

रायपुर ,26 दिसम्बर 2022(ए)। राजधानी स्थित कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्याल में 29 दिसंबर से आयोजित होने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं को रद्द कर दिया गया है। कुलसचिव आनंद शंकर बहादुर ने इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा की सेमेस्टर जुलाई-दिसंबर 2022 की परीक्षाएं अपरिहार्य कारणों से रद्द की जाती है। नई समय-सारीणी अलग से जारी की जाएगी।

स्काई वॉक घोटाले की जांच करेगी एसीबी और ईओडब्ल्यू

रायपुर ,26 दिसम्बर 2022(ए)।
राज्य शासन द्वारा स्काई वॉक निर्माण प्रकरण में प्रथम दृष्ट्या अनियमितताओं पाए जाने पर इसकी जांच का मामला एसीबी और ईओडब्ल्यू को सौंपने का निर्णय लिया है।
प्रथम दृष्ट्या प्रकरण में पाए गई निम्नानुसार अनियमितताएं स्पष्ट हो रही हैं
77 करोड़ की परियोजना का जान बूझकर 2 बार में प्राक्कलन तैयार किया गया ताकि पीएफआईसी से मंजूरी की आवश्यकता न रहे। पीएफआईसी के माध्यम से किसी भी परियोजना के जन हित के संबंध में परीक्षण किया जाता है, जो कि स्काई वॉक निर्माण प्रकरण में नहीं किया गया है।
विधानसभा निर्वाचन 2018 की

अधिसूचना जारी रहने के दौरान ही लोक निर्माण विभाग द्वारा पुनरीक्षण प्रस्ताव तैयार कर 05 दिसम्बर 2018 को वित्त विभाग को भेजा गया, जो आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है। स्पष्ट है यह कार्य विभाग के पदाधिकारियों एवं ठेकेदार को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया है।
लोक निर्माण विभाग द्वारा स्काई वॉक निर्माण की प्रथम निविदा 04 फरवरी 2017 को जारी की गयी तथा निविदा प्रस्तुत करने हेतु मात्र 15 दिनों का समय दिया गया। 04 फरवरी तक प्रकरण में वित्त विभाग से प्रशासकीय स्वीकृति भी प्राप्त नहीं हुई थी। 15 दिनों मात्र की निविदा हेतु कोई आवश्यकता और औचित्य नहीं दर्शाया गया है, न सक्षम स्वीकृति प्राप्त की गई है।

आदिवासी समुदाय ने पूर्व मुख्यमंत्री से मिलकर किया आभार व्यक्त

रायपुर ,26 दिसम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ के 12 आदिवासी समुदाय जो कि 18 सालों से संवैधानिक अधिकारों से वंचित रहे 2017 में मात्रात्मक त्रुटि उच्चारण विभेद वाले 22 आदिवासी समुदाय को राहत देते हुये उनका संवैधानिक अधिकार बहाल किया गया है, जिसके लिए उन्होंने आज डॉ रमन सिंह जी से मुलाकात कर आभार प्रकट किया। वर्तमान शीतकालीन सत्र में छत्तीसगढ़ के 12 आदिवासी समुदाय के मात्रात्मक त्रुटि उच्चारण विभेद को लोकसभा में अनुसूचित जनजाति संशोधन अधिनियम 2022 छत्तीसगढ़ पास करने के लिए समाज ने धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए राज्यसभा में आगामी बजट सत्र में बिल को पास कराने का निवेदन भी किया।
इस अवसर पर सवरा समाज से संरक्षक जयदेव भोई, हेमन्त भोई कार्यकारी अध्यक्ष, नकुल भोई, डॉ भूपत मलिक ,सुरेश मालिक, सारथी भोई, पृथ्वी भोई, नित्यानंद विशाल, मेघनाथ भोई, चैतराम, विराट भोई, चतुर्भुज रावल आदि उपस्थित रहे।

किसानों के बैंक खाते में पहुंचा नुकसान का मुआवजा

रायपुर,26 दिसम्बर 2022(ए)।
मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात के माध्यम से 25 वर्षो से लंबित भू-अर्जन मुआवजे के प्रकरण का आज निराकरण हो गया। मुख्यमंत्री ने 25 वर्षो से भू-अर्जन की मुआवजा राशि का इन्तजार कर रहे बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 54 किसानों को 6 करोड़ 97 लाख 49 हजार रूपए की मुआवजा राशि का ऑनलाईन भुगतान किया।
मुख्यमंत्री ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के इन किसानों को भू-अर्जन मुआवजा राशि सहित हितग्राहियों को चिटफंड कम्पनी से वसूल की गई राशि और राजस्व पुस्तक परिपत्र के तहत सहायता राशि ऑनलाईन वितरित की।

छोड़ चुके थे मुआवजा की उम्मीद

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर भू-अर्जन मुआवजा राशि प्राप्त ग्राम इंदो के किसान सफीक से चर्चा की। इन्होंने बताया कि वे मुआवजा मिलने की उम्मीद छोड़ चुके थे। जिले में विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं से प्रभावित कृषक सफीक, शरीफ, मोजिबुल रहमान, फिरोज, अफरोज, हदीस, सदीक को 57 लाख 17 हजार 358 रूपये की भू-अर्जन मुआवजा राशि का अंतरण किया गया।
राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के तहत मुआवजा राशि प्राप्त सुग्रिव राम ने बताया कि तालाब में डूबने से उनकी माता की मृत्यु हो गई थी, आज उन्हें चार लाख रूपए की सहायता राशि मिली है। इसी तरह चिटफंड कम्पनी से ठगी का शिकार हुई क्लेशियस ने बताया कि उन्होंने चिटफंड कम्पनी में डेढ़ लाख रूपए लगाए थे। आज उन्हें डेढ़ लाख रूपए की राशि वापस मिली।

25 वर्षों से लंबित मामले का हुआ निराकरण

गौरतलब है कि बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में इस वर्ष मई माह में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में इन किसानों ने मुख्यमंत्री बघेल से भू-अर्जन मुआवजा की राशि नहीं मिलने की शिकायत की थी, जिस पर मुख्यमंत्री ने जिले के कलेक्टर को विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं में लंबित भू-अर्जन मुआवजा वितरण के प्रकरणों का त्वरित परीक्षण कर हितग्राहियों को राशि वितरण करने के निर्देश दिए थे। जिसके तारतम्य में आज मुख्यमंत्री ने वर्चुअल कार्यक्रम में किसानों को मुआवजा राशि का वितरण किया। गौरतलब है कि यह मामला 25 वर्षों से लंबित था।
मुख्यमंत्री बघेल ने आज के कार्यक्रम में भू-अर्जन मुआवजा सहित चिटफंड कम्पनी से वसूली गई राशि और राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 अंतर्गत कुल 2148 हितग्राहियों को 14 करोड़ 35 लाख 47 हजार रूपए की राशि वितरित की। इस राशि में से चिटफंड

कंपनियों से ठगी का शिकार हुये 146 नागरिकों को चिटफंड कंपनियों से वसूली गई 11 लाख 49 हजार रूपए और राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 अंतर्गत 1946 हितग्राहियों को 7 करोड़ 26 लाख 49 हजार रूपए की राशि शामिल है।

54 किसानों को दी लंबित भू-अर्जन मुआवजा राशि

इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में उद्योग मंत्री कवासी लखमा, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह, संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, विधायक गुलाब कमरो, बृहस्पति सिंह, अरुण वोरा, मोहित राम केरकेट्टा, यशोदा वर्मा और मुख्यमंत्री के सचिव अंकित आनंद और रामानुजगंज में संसदीय सचिव चिंतामणी महाराज उपस्थित थे।
मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं में अपनी जमीन देने वाले किसान भू-अर्जन मुआवजा राशि मिलने की उम्मीद छोड़ चुके थे। यह खुशी की बात है कि भेंट-मुलाकात में यह प्रकरण सामने आने के बाद आज छह माह बाद किसानों को मुआवजा राशि वितरित की गई।
मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के लोगों के हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों की सजगता और निरंतर प्रयासों से इन प्रकरणों की त्वरित जांच कर पात्र हितग्राहियों को मुआवजा राशि का वितरण किया गया।
कन्हार अंतर्राज्यीय योजना सोनभद्र, उत्तरप्रदेश का मुआवजा प्रकरण वर्ष 1996-97 से लंबित था। टाटीआथर जलाशय योजना, चेरा व्यपवर्तन योजना और कुर्लूडीह जलाशय योजना की भूअर्जन की राशि का मामला वर्ष 2011-12 का है। आज इन हितग्राहियों को मुआवजा राशि वितरित की गई।

146 नागरिकों को वापस हुई राशि

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिटफंड कम्पनियों से ठगी का शिकार हुए नागरिकों को उनकी मेहनत की गाढ़ी कमाई वापस दिलाने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। चिटफंड कम्पनियों की सम्पत्ति कुर्क कर नागरिकों को राशि वापस की जा रही है। आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 146 नागरिकों को 11 लाख 49 हजार रूपए की राशि वापस की गई। इसी तरह प्राकृतिक आपदा से पीड़ित जिले के 1948 हितग्राहियों को कुल 7 करोड़ 26 लाख 49 हजार रूपए की सहायता राशि का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने आज लाभान्वित हुए हितग्राहियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।
स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम भेंट मुलाकात में बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि चाहे वह भू-अर्जन के मामले हो या चिटफंड के मामले हो सभी लंबित प्रकरण का त्वरित निराकरण किया गया। आज लगभग 14.35 करोड़ रुपये की राशि हितग्राहियों के खाते में अंतरित की जा रही है।
उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि भेंट मुलाकात के समय जिले में जो वादे किए गए थे, वह आज पूरे हो रहे हैं। संसदीय सचिव चिंतामणि महाराज ने कहा कि लंबे समय से किसानों को विभिन्न योजनाओं के तहत मुआवजा राशि का इंतजार था, आज उन सभी हितग्राहियों को इसका लाभ मिलेगा। सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बृहस्पति सिंह ने वर्षों से संघर्ष कर रहे लोगों के डूबे हुए पैसे वापस दिलाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)